अनुसंधान प्रतिवेदन क्र.

शासकीय उपयोग हेतु

संविधान के अनुच्छेद 275(1) अन्तर्गत् निर्मित आदिवासी आश्रम शाला एवं विद्यार्थियों को प्रदत्त सुविधाओं का मूल्यांकन

मार्गदर्शन : टी. राधाकृष्णन भा.प्र.से.

निर्देशन : जी. एम. झा

क्षेत्रकार्य एवं प्रतिवेदन : एस.एन. श्रीवास्तव
डॉ. अनिल विरूलकर
संदीप कुमार साहू
निर्मल बघेल

छत्तीसगढ़ शासन

आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान रायपुर (छ.ग.)

2014

Scanned with CamScanner

अनुसंधान प्रतिवेदन क्र.

शासकीय उपयोग हेतु

संविधान के अनुच्छेद 275(1) अन्तर्गत् निर्मित आदिवासी आश्रम शाला एवं विद्यार्थियों को प्रदत्त सुविधाओं का मूल्यांकन

2014

मार्गदर्शन : टी. राधाकृष्णन भा.प्र.से.

निर्देशन : जी. एम. झा

क्षेत्रकार्य एवं प्रतिवेदन : एस.एन. श्रीवास्तव
डॉ. अनिल विरूलकर
संदीप कुमार साहू
निर्मल बघेल

छत्तीसगढ़ शासन

आदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान रायपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner

अनुक्रमणिका

अध्याय	विषय वस्तु	पृष्ठ संख्या
एक	आश्रमशाला का परिचय, मूल्यांकन का उद्देश्य, व सन्दर्भ अवधि तथा मूल्यांकन प्रविधि	01–10
दो	आश्रमशाला भवन में उपलब्ध सुविधाएँ	11–18
तीन	आश्रम छात्रावास भवन में उपलब्ध सुविधाएँ	19–32
चार	आश्रमशाला के लिए शिक्षकीय एवं गैर शिक्षकीय स्वीकृत /रिक्तपद का विवरण एवं आश्रमशाला में पदस्थ शिक्षक समुदाय एवं कर्मचारीगण	33–42
पांच	आश्रमशाला में कक्षवार दर्ज संख्या का वर्षवार विवरण	43–47
छह	आश्रमशाला में विद्यार्थियों की वर्षवार परीक्षा परिणाम तथा क्षति एवं अवरोध	48–53
सात	आश्रमशाला के संबंध में शिक्षक,छात्रावास अधीक्षक एवं विद्यार्थियों का दृष्टिकोण	54–78
आठ	निष्कर्ष	79–85

Scanned with CamScanner

अध्याय – एक
आश्रम शाला का परिचय/प्रस्तावना

1.1 भूमिका

मानव समाज में सर्वागीण विकास हेतु शैक्षणिक विकास एक प्रमुख कारक है शिक्षा व्यक्ति की बौद्धिक क्षमता एवं शारीरिक क्षमता विकसित करती है, इसी परिप्रेक्ष्य में जनजातीय विकास में शिक्षा का विशेष महत्व है ।

जनजातीय विकास पर वर्किंग ग्रप के प्रतिवेदन 1980 के अनुसार – **"शिक्षा जनजातीय विकास की कुंजी है"** शिक्षा जनजाति समाज को आर्थिक विकास के साथ–साथ उन्हें अन्य समाजों के समकक्ष पहुॅचने के लिए एक नया अवसर प्रदान करती है।

आश्रम शालाओं की स्थापना भारत में प्राचीन काल से चली आ रही है, शिक्षा के ऐतिहासिक पृष्ठभूमि से ज्ञात होता है कि वैदिक कालीन समाज, वर्ण व्यवस्था पर आधारित था वनों एवं उपवनों में ऋषियों के आश्रम स्थापित थे जहॉ ब्राम्हण, क्षत्रिय एवं वैश्य कुमार गुरू के पास आश्रम में रहकर शिक्षा प्राप्त करते थे ।

जनजातियों के औपचारिक शिक्षा व्यवस्था का कोई प्रमाण उपलब्ध नही है, रामायण काल में शवर जनजाति कन्या "शबरी" का मतंग ऋषि से दीक्षा लेने एवं मतंग ऋषि के आश्रम में रहने का उल्लेख मिलता है, महाभारत काल में आदिवासी बालक एकलव्य द्वारा धनुर्विद्या सीखने हेतु गुरू द्रोणाचार्य के पास जाने का उल्लेख मिलता है, किन्तु गुरू द्वारा आदिवासी बालक को राजकुमारों के साथ शिक्षा देने से मना करने पर एकलव्य द्वारा उनकी मूर्ति को गुरू मानकर स्वप्रेरित धनुर्विद्या सीखने की कथा प्रचलित है। मौर्य काल, गुप्त काल ,मुगल काल में जनजातीय शिक्षा का कोई विशेष महत्व नही था । अंग्रेजों के शासन काल में ईसाई मिश्नरियों द्वारा जनजाति क्षेत्र में जाकर धर्म प्रचार एवं आदिवासी बच्चों के लिए स्कूल स्थापित किये जाने का उल्लेख मिलता है।

प्राचीन समय में आश्रमशाला **"गुरूकुल"** नाम से प्रचलित था, जिसमें राज परिवार के बालक, ऋषि मुनियों से उनके आश्रम में शिक्षा प्राप्त करने जाया करते थे। इन आश्रमों में भाषा, धर्म, युद्ध, नीति, दर्शन आदि विषयों की शिक्षा दी जाती थी ताकि आश्रमवासी/गुरूकुल

Scanned with CamScanner

वासी छात्र गुरू से शिक्षा प्राप्त कर राज्य संचालन योग्य बन सके । स्वतन्त्रता के पूर्व भी निर्धन वनवासियों/जनजातियों को शिक्षित करने के उद्देश्य से गुजरात, महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश तथा देश के कई अंचलों में सीमित संख्या में स्वयं सेवी संगठनों द्वारा आश्रम शालाएँ प्रारम्भ की गई थी।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 46 में अनुसूचित जाति तथा जनजति के शैक्षणिक तथा आर्थिक विकास के लिए विशेष प्रावधान किया गया, तत्पश्चात अनुसूचित जनजातियों की शिक्षा हेतु केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा विशेष प्रयास किया जा रहा है ।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 46 में उल्लेखित है कि **"अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य दुर्बल वर्गों के शिक्षा और अर्थ संबंधी हितो की अभिवृद्धि "** राज्य जनता के दुर्बल वर्गों के विशिष्टतया अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के शिक्षा और अर्थ संबंधी हितों की विशेष सावधानी से अभिवृद्धि करेगा और सामाजिक अन्याय और सभी प्रकार के शोषण से उनकी संरक्षण करेगा।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 46 में अनुसूचित जाति एवं जनजातियों की शैक्षणिक तथा आर्थिक विकास के लिए विशेष प्रावधान किया गया , तत्पश्चात् अनुसूचित जनजातियों की शिक्षा हेतु केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा विशेष प्रयास किया जा रहा है ।

शिक्षा का अधिकार अधिनियम के प्रावधान :–

भारत में शिक्षा का प्रावधान संविधान की समवर्ती सूची में रखा गया है जिससे केन्द्र और राज्य सरकार दोनों को इस विषय पर कानून बनाने का अधिकार है, यह अधिनियम 6 से 14 वर्ष तक के सभी बच्चों को शिक्षा हासिल करने का अधिकार प्रदान करता है। अधिनियम सभी बच्चों के लिए यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक बच्चा निःशुल्क शिक्षा प्राप्त करे, अधिनियम की धारा – 3 में 6 से 14 वर्ष तक की आयु के प्रत्येक बालक को प्रारम्भिक शिक्षा पूरी होने तक किसी आस–पास के विद्यालय में निःशुक्ल एवं अनिवार्य शिक्षा का अधिकार प्रदान कराता है।

इस अधिनियम के तहत् धारा 6 में वर्णित है कि कक्षा 1 से 5 तक के बच्चों के लिए 1 किलोमीटर की पैदल दूरी की सीमा में तथा कक्षा 6 से 8 तक के बच्चों के लिए 2 कि.मी. की पैदल दूरी की सीमा में एक विद्यालय स्थापित किया जाए, इस अधिनियम के प्रावधानों को

Scanned with CamScanner

कियान्वित करने के लिए सम्बधित सरकार तथा स्थानीय प्रशासन को यदि आवश्यक लगे तो विद्यालय खोलना होगा। अधिनियम के तहत् यदि किसी क्षेत्र में विद्यालय नहीं है तो वहॉ पर तीन वर्षो में विद्यालय का निर्माण करवाया जाना आवश्यक है। इस अधिनियम के प्रावधानानुसार केन्द्र सरकार ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, (NCERT) को शैक्षिक पाठ्यक्रम, मूल्यांकन प्रकिया लिए अधिकृत किया है।जिसका मुख्य कार्य प्रारम्भिक शिक्षा एवं इसके लिए आवश्यक पाठ्यक्रम का राष्ट्रीय स्तर पर विकास करना है निःशक्त बच्चों के कम में निःशक्तता उन्हें विद्यालय पहुंचने से रोकती है राज्य सरकार /स्थानीय प्राधिकारी उनके लिए उचित एवं सुरक्षित यातायात व्यवस्था का प्रयास करेंगे।

1.2 छत्तीसगढ़ राज्य में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय

आदिवासी बालक–बालिकाएँ घर से दूर रहकर भी अनुकूल शैक्षणिक वातावरण में विद्या अर्जन कर सके इस उद्देश्य से आवासीय आश्रम शालाएँ एवं छात्रावास आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग द्वारा संचालित की जा रही है ।

भारत सरकार द्वारा संविधान के अनुच्छेद 275 (1) अन्तर्गत अनुसूचित क्षेत्रों में आश्रमशाला योजना की आवश्यकता एवं महता को स्वीकार करते हुये राज्यों को आश्रम शाला स्थापना हेतु अनुदान उपलब्ध कराया जाता है, तथा राज्यों को प्रदत्त की जाने वाली अनुदान राशि से आश्रम शालाऐं स्वीकृत कर धनराशि उपलब्ध करायी जाती है। इसी परिप्रेक्ष्य में राज्य शासन द्वारा जनजातीय बालक–बालिकाओं को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदाय करने के लिए संविधान के अनुच्छेद 275 (1) के अन्तर्गत केन्द्रीय अनुदान द्वारा जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से छ.ग.राज्य में शिक्षण सत्र 2005–06 से 08 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों का संचालन भारत सरकार के दिशा निर्देशों के अनुरूप गठित एक उच्च स्तरीय स्वशासी समिति (छ.ग. आदिम जाति कल्याण आवासीय एवं आश्रम शैक्षणिक संस्थान समिति) द्वारा किया जा रहा है।

छ.ग. माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ,रायपुर से संबद्ध उक्त आवासीय विद्यालयों में प्रदेश के अनुसूचित जनजाति वर्ग के बालक/बालिकाओं हेतु 8 आवासीय विद्यालय प्रारंभ किया गया है। इनमें 6 बालक तथा 2 कन्या आवासीय विद्यालय है, प्रत्येक आवासीय विद्यालय में कक्षा 6वी से 12वी तक 60 सीट प्रति कक्षा के मान से 420 सीट स्वीकृत है। एकलव्य आदर्श

Scanned with CamScanner

आवासीय विद्यालय में निवासरत अधिकांश विद्यार्थी बी.पी.एल. परिवारों से आते हैं, आर्थिक विभिन्नता के कारण इन बच्चों के पास शाला में उपस्थित होने बाबत् साज–सज्जा हेतु, जूते, मोजे, स्वेटर एवं स्कूल बैग जैसी मूलभूत सामग्री का अभाव होता है। आश्रम शाला के इन छात्रों को उपर्युक्त सामग्री शासन की ओर से निः शुल्क प्रदाय की जाती है।

एकलव्य आदर्श आवासीय आश्रमशाला परिसर में विद्यालय, छात्रावास एवं शिक्षक आवास गृह तथा विद्यार्थियों को अन्य सुविधाएँ उपलब्ध करायी गई है, आश्रम शाला में विद्यार्थियों को निःशुल्क भोजन ,खेल एवं आवास की सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है विद्यार्थियो तथा शिक्षकों में परस्पर निकट संबंध होता है, एवं इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक विकास के लिए खेलकूद, योगा, व्यायाम की सुविधा उपलब्ध है। आश्रम शाला आवासीय परिसर है। इसमें विद्यार्थी को पाठ्य पुस्तकें, ओढ़ने बिछाने की सामग्री, गणवेश, छात्रवृत्ति/शिष्यावृत्ति, मध्यान्ह भोजन, दैनिक भोजन, विशेष भोजन, वाचनालय, कोचिंग, पेयजल, स्वास्थ्य परीक्षण की सुविधा विद्यार्थियों को उपलब्ध करायी जाती है ।

पात्रता :–

कक्षा 6वी में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में विद्यार्थियों का प्रवेश चयन परीक्षा के माध्यम से किया जाता है अनुसूचित जनजाति के वे छात्र /छात्राएं जिनकी आयु 11 से 13 वर्ष के मध्य हो तथा कक्षा 5वी की परीक्षा में सम्मलित हो रहे हो अथवा, पूर्व वर्ष में कक्षा 5वीं की परीक्षा में उत्तीर्ण हो वे चयन परीक्षा के लिए आवेदन कर सकते हैं।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में छात्रावास में प्रदत्त सुविधाएँ निम्नलिखित हैं :–

एकलव्य आदर्श बालक आवासीय विद्यालय /कन्या शिक्षा परिसर एक पूर्णतः आवासीय शिक्षण संस्था है, जो आवासीय छात्रावास में सुविधा में प्रदान करती है :–

क्र.	विवरण	मात्रा	दर
1	2	3	4
1.	शिष्यवृत्ति		750 रू. प्रतिमाह
2	पोषण आहार		300 रू. प्रतिमाह
3	शाला गणवेश	02	800 (02 सेट)
4	टी.शर्ट/शॉटस,ब्लेजर	01	200–200–600रू.

Scanned with CamScanner

5	पी.टी. शूज़ / जूता	02	400 रू.
6	मोजा	02	100 रू..
7.	अंडरवियर	02	100 रू.
8.	बनियान	02	100 रू.
9.	टावेल (2 नग)	01	100 रू
10.	टाई एव बेल्ट	01	100 रू.
11.	टूथब्रश पेस्ट नारियल तेल	–	50 रू. प्रतिमाह प्रति विद्यार्थी
12.	पाठ्यपुस्तक / कापियॉ	–	500 रू. प्रति विद्यार्थी हाईस्कूल तथा 1000 रू. प्रति विद्यार्थी उ. मा.वि स्तर प्रतिवर्ष
13.	यात्रा व्यय	–	200 प्रतिवर्ष
14	चिकित्सा व्यय वास्तविक	–	300रू. प्रति विद्यार्थी , प्रतिवर्ष

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में प्रवेश हेतु चयन करने की प्रकिया

छ.ग राज्य के आदिम जाति कल्याण आवासीय एवं आश्रम शाला में प्रत्येक वर्ष कक्षा 6वीं में 60 अनुसूचित जनजाति वर्ग के विद्यार्थियों का चयन करना होता है, चयन करने के लिए जिला स्तर पर परीक्षा का आयोजन कर प्राविण्यता के आधार पर सभी आठ एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में प्रवेश दिया जाता है ।

छात्र /छात्रों के प्रवेश के लिए सभी संकुल के समस्त प्रधान अध्यापकों को जानकारी दिया जाता है। इसके साथ ही साथ प्रचार प्रसार के लिए समाचार पत्रों के माध्यम से भी जानकारी मुहैया करायी जाती है ।

1. अनुसूचित जनजाति वर्ग के वे छात्र /छात्राओं जिनकी आयु 11 वर्ष से 13 वर्ष के मध्य हो तथा कक्षा 5वीं की परीक्षा में सम्मिलित हो रहे हो अथवा पूर्व वर्ष में कक्षा 5वी उत्तीर्ण हों उन्हें परीक्षा के लिए आवेदन करने की पात्रता रहती है ।
2 आवेदन एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय /कार्यालय सहायक आयुक्त /विकासखण्ड़ शिक्षा अधिकारी के पास जमा लिया जाता है ।

Scanned with CamScanner

3. परीक्षा उत्तीर्ण करने बाद अंकसूची/प्रमाणपत्रों की प्रमाणित छायाप्रति संलग्न करना पड़ता है।

4. चयन परीक्षा का आयोजन जिला स्तर पर किया जाता है ।

1.3 राज्य से आश्रम शाला के बालक/बालिकाओं को शासन द्वारा निम्नानुसार सुविधाएँ उपलब्ध करायी जाती हैं

1. राज्य छात्रवृति

छत्तीसगढ़ में लगभग 22.00 लाख आरक्षित वर्ग के विद्यार्थी अध्ययनरत् हैं शैक्षणिक विकास एवं प्रोत्साहन के लिए विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्ति विभाग द्वारा प्रदान की जाती है। कक्षा 6वीं से 10वीं तक की कक्षाओं में अध्यनरत अनुसूचित जाति /अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को शिक्षण वर्ष के माह जून से मार्च तक 10 माह हेतु निम्नांकित दरों पर राज्य छात्रवृत्ति दी जाती है :–

क्र.	कक्षा	राज्य छात्रवृत्ति दर प्रतिमाह	
		बालक	बालिका
1.	6वीं से 8वी	300 रू.	400 रू.
2.	9वीं से 10वीं	400 रू.	500 रू.

बालक /बालिकाओं को 10 माह के लिए राज्य छात्रवृत्ति स्वीकृत की जाती है ।

1. पोस्ट मैट्रीक छात्रवृत्ति

जनजाति बालक –बालिकाएँ जो कक्षा 11वीं एवं 12वीं में अध्ययनरत हों तथा जिनके पालकों की आय 1.45 लाख तक वार्षिक आय वाले परिवार के छात्र /छात्रा इस योजना अन्तर्गत पात्रता रखते हैं ।

2. कन्या साक्षरता प्रोत्साहन

जनजातिय की बालिकाओ को कक्षा 5वीं उत्तीर्ण कर कक्षा 6वीं में प्रवेश लेने पर रू. 500 की प्रोत्साहन राशि दी जाती है।

Scanned with CamScanner

1.4 मूल्यांकन का उद्देश्य

संविधान के अनुच्छेद 275(1)अन्तर्गत छत्तीसगढ़ राज्य में निर्मित आश्रम शालाओं में विद्यार्थियों के लिये उपलब्ध सुविधाओं की पर्याप्तता/अपर्याप्तता एवं आवश्यकताओं का मूल्यांकन करना प्रमुख उद्देश्य है इसके अतिरिक्त सुविधाओं के साथ साथ आश्रम शाला में दर्ज संख्या परीक्षा परिणाम तथा शिक्षकों, छात्रावास अधीक्षकों एवं विद्यार्थिओं का आश्रम शाला तथा आश्रमशाला में उपलब्ध सुविधाओं के प्रति उनके दृष्टीकोण का भी समावेश मूल्यांकन के उद्देश्य में निहित है।

1.5 मूल्यांकन क्षेत्र

मूल्यांकन हेतु चयनित आश्रमशालाओं का विवरण निम्नुसार है–

क्र.	आश्रमशाला का नाम	विकासखण्ड़	जिला	आश्रम शाला निर्माण स्थिति
अ.	**बालक आश्रम शाला**			
1.	एकलव्य.आ.वि.तरेगांव (जंगल)	बोडला	कबीरधाम	पूर्ण
2.	एकलव्य.आ.वि.करपावण्ड़	बकावण्ड़	बस्तर	पूर्ण
3.	एकलव्य.आ.वि.लाम्कन्हार	अंतागढ़	कांकेर	पूर्ण
4.	एकलव्य.आ.वि. कमलेश्वरपुर	मैनपाट	सरगुजा	अपूर्ण
5.	एकलव्य.आ.वि शिवप्रसादनगर (बंजा)	भैयाथान	सरगुजा	अपूर्ण
6.	एकलव्य.आ.वि छोटे मुड़पार	खरसियां	रायगढ़	पूर्ण
ब.	**कन्या आश्रम शाला**			
7.	एकलव्य.आ.वि.सन्ना	बगीचा	जशपुर	अपूर्ण
8.	एकलव्य.आ.वि.कटेकल्याण	कटेकल्याण	कटेकल्याण	अपूर्ण

टीपः– अपूर्ण /निर्माणाधीन आवासीय विद्यालयों में पूर्व से संचालित विद्यालय भवन एवं छात्रावास भवन का उपयोग किया जा रहा है।

Scanned with CamScanner

दर्ज अनुसूचित जनजति चयनित आश्रम शालाओं में विद्यार्थियों की जाति का विवरण निम्नानुसार है –

क्र.	आश्रमशाला का नाम	आश्रम में अध्ययनरत विद्यार्थियों की जाति
अ	बालक आश्रम शाला	
1.	तरेगांव (जं.)/बोड़ला	गोंड , कंवर ,बैगा
2.	करपावण्ड़ /बकावण्ड़	गोंड ,हल्बा ,मुरिया, धुरवा, माड़िया ,भतरा
3.	लामकन्हार /अंतागढ़	गोड़, हल्बा
4.	कमलेश्वरपुर /मैनपाट	गोंड, उरांव, कंवर, खैरवार
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा)/ भैयाथान	उरांव , गोंड ,कंवर
6.	छोटे मुड़पार /खरसियां	कंवर , सवरा , उरांव, गोड़
ब	कन्या आश्रम शाला	
7.	सन्ना /बगीचा	उरांव , कंवर ,गोंड
8.	कटेकल्याण /कटेकल्याण	गोड़, मुरिया, भतरा, धुरवा,माड़िया

सन्दर्भ अवधि :–

आश्रमशालाओं की वर्ष 2007–08 से वर्ष 2009–10तक की जानकारी का मूल्यांकन हेतु उपयोग किया गया है।

1.6 मूल्यांकन प्रविधि

संविधान के अनुच्छेद 275 (1) अन्तर्गत निर्मित आश्रम शालाओं का मूल्यांकन हेतु चयन किया गया है चयनित आश्रमशालाओं में शाला, छात्रावास एवं शिक्षकीय निवास की सुविधा है अथवा निर्माणाधीन होने के कारण सुविधाएँ पुर्ण रूप से विकसित नही हो पाई है, संविधान के अनुच्छेद 275(1) अन्तर्गत पूर्व से संचालित आश्रम शालाओं में कही बाउन्ड्रीवाल

Scanned with CamScanner

के लिये तो कहीं अतिरिक्त कक्ष के लिये धनराशि उपलब्ध करायी गई है ऐसे आश्रम शालाओं की मूल्यांकन अध्ययन की परिधि से अलग रखा गया है क्योंकि आश्रमशालाएँ आश्रमशाला की अवधारणा को पूर्ण रूपेण पूर्ण नही करती है।

सर्वेक्षण कार्यकर्ताओं द्वारा चयनित आश्रमशालाओं में जाकर ,प्राचार्य, शिक्षक, छात्रावास अधीक्षक तथा विद्यार्थियों से साक्षात्कार अनुसूची अनुसार तथ्यों का संकलन किया गया है तथा सुविधाओं का अवलोकन भी किया गया है । **तथ्यों के संकलन, सारणीयन एवं विश्लेषण उपरान्त मूल्यांकन प्रतिवेदन तैयार किया गया है ।**

निदर्शन :–

संविधान के अनुच्छेद 275(1) के अन्तर्गत निर्मित आश्रम शालाओं का मूल्यांकन हेतु समस्त एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का चयन किया गया है, विभाग द्वारा वर्ष 2009–10 में 8 एकलव्य विद्यालय तथा प्राथमिक स्तर के 1031 आदिम जनजाति आश्रम शालाएँ एवं माध्यमिक स्तर के 79 जनजातिय आश्रम शालाएँ संचालित हैं, समस्त एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय संविधान के अनुच्छेद 275 (1) के अन्तर्गत निर्मित है भारत सरकार द्वारा इन आवासीय विद्यालयों के लिये रू. 1 करोड़ से 4 करोड़ तक की धनराशि आश्रम परिसर हेतु स्वीकृत की गई है अन्य आश्रम शालाओं में भी कहीं –कहीं संविधान के अनुच्छेद 275 (1) के तहत बाउन्ड्रीवाल या अतिरिक्त कक्ष के लिए राशि स्वीकृत की गई है, अतः इन आश्रम शालाओं को अध्ययन हेतु चयन नही किया गया है केवल संविधान के अनुच्छेद 275 (1) के तहत निर्मित आश्रम शालाओं (एकलव्य आदर्श आवसीय विद्यालय) का ही शतप्रतिशत चयन किया गया है।

प्राथमिक तथ्यों का संकलन :–

1- साक्षात्कार अनुसूची :–

साक्षात्कार अनुसूची प्रविधि के अन्तर्गत 8 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में जाकर प्राचार्य, शिक्षक, छात्रावास अधीक्षक तथा विद्यार्थियों से प्रत्यक्ष रूप से सम्पर्क स्थापित करके साक्षात्कार अनुसूची के माध्यम से तथ्यों का संकलन किया गया ।

Scanned with CamScanner

2- अवलोकन :–

अर्द्धसहभागी अवलोकन प्रविधि द्वारा एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय एवं आश्रम शाला, छात्रावास भवन विद्यार्थी को प्राप्त होने वाली सुविधाएँ जैसे : भोजन व्यवस्था ,मध्यान भोजन, पाठ्य पुस्तक ,विशेष भोजन, ओढ़ने बिछाने की सामग्री, पेयजल एवं विद्यार्थियों के दैनिक गतिविधियों का अवलोकन किया गया है ।

3- साक्षात्कार :–

साक्षात्कार के अन्तर्गत आश्रम शाला के शिक्षकों एवं अधीक्षकों का दृष्टिकोण का व्यक्तिगत साक्षात्कार द्वारा तथ्यों का संकलन किया गया है। तथा लाभान्वित विद्यार्थियों द्वारा आश्रम शाला एवं छात्रावास के सुविधाओं के बारे में सामूहिक साक्षात्कार लिया गया है ।

4- छायाचित्र :–

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के आश्रम शाला व छात्रावास एवं छात्रावास भवन, तथा विद्यार्थियों को प्राप्त होने वाली सुविधाओं जैसे – पेयजल , भोजन कक्ष , खेलकूद परिसर ,शयन कक्ष, ओढ़ने बिछाने की सामग्री, एवं अध्ययन कक्ष, अध्ययनरत विद्यार्थियों की छायाचित्र लिया गया है ।

Scanned with CamScanner

अध्याय – दो

आश्रम शाला विद्यालय में उपलब्ध सुविधाएँ

आश्रम शाला परिसर में विद्यालय, छात्रावास शिक्षक आवास गृह आदि सुविधाएँ उपलब्ध करायी जाती है प्रस्तुत अध्याय में मूल्यांकित एकलव्य आदर्श उ.मा. विद्यालयों में उपलब्ध सुविधाओं यथा शाला भवन में उपलब्ध कक्ष , अध्यापकों तथा स्टाफ के लिये उपलब्ध कक्ष, प्रसाधन कक्ष, विद्युतीकरण , पेयजल सुविधाओं का विवरण दिया गया है ।

2.1 आश्रम शालाओं का स्थापना वर्ष , क्षेत्रफल ,स्तर एवं दर्ज संख्या

सारणी क्र. 2.1

आश्रम शालाओं का स्थापन वर्ष , क्षेत्रफल ,स्तर एवं दर्ज संख्या वर्ष 2010–11

क्र.	आश्रम शाला का नाम	आश्रम परिसर का क्षेत्रफल (एकड़ में)	स्थापना वर्ष	स्तर माध्यमिक / हाईस्कूल / हायर सेकण्ड़री	बालक / बालिका	स्वीकृत सीट	वर्तमान में भरें सीट वर्ष 2011
1	2	3	4	5	6	7	8
अ	बालक आश्रम शाला						
1.	तरेगांव(जंगल) / बोड़ला	8.77	2005–06	हायर सेकण्डरी	बालक	420	288
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	17.00	2005–06	हायर सेकण्ड़री	बालक	420	254
3.	लाम कन्हार / अंतागढ़	15.00	2005–06	हायर सेकण्ड़री	बालक	420	252
4.	कमलेश्वरपुर / मैनपाट	8.23	2005–06	हायर सेकण्ड़री	बालक	420	300
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	6.50	2005–06	हायर सेकण्ड़री	बालक	420	360
6	छोटे मुड़पार / खरसियां	11.00	2005–06	हायर सेकण्ड़री	बालक	420	335
उपयोग (1–6)		66.5	–	–	–	2520	1789
ब	कन्या आश्रम शाला						
7.	सन्ना / बगीचा	9.00	2005–06	हायर सेकण्ड़री	बालिका	420	310
8.	कटेकल्याण	12.00	2005–06	हायर सेकण्ड़री	बालिका	420	209
उपयोग (7–8)		21.00	–	–	–	840	519
महायोग (1–8)		87.5	–	–	–	3360	2308

Scanned with CamScanner

उपर्युक्त सारणी से स्पष्ट है कि मूल्यांकित सभी (8) आश्रम शालाओं की स्थापना वर्ष 2005–06 में की गई है इसमें से 6 बालक आश्रम तथा दो बालिका आश्रम/कन्या शिक्षा परिसर है,आश्रम शालाओं का स्तर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय का है कमलेश्वरपुर /मैनपाट में पर्याप्त सुविधा नही होने के कारण 2010–11 की स्थिति में हाई स्कूल तक ही छात्र दर्ज थे क्योंकि आवास निर्माणाधीन थे । परिसर का औसत क्षेत्रफल 10.94 एकड़ है, बालक आश्रम परिसर का औसत क्षेत्रफल 11.08 एकड़ तथा कन्या आश्रम का औसत क्षेत्रफल 10.50 एकड़ है। करपावण्ड़ (वि. ख. बकावण्ड़ जिला स्तर) आश्रम शाला का क्षेत्रफल सर्वाधिक 17.00 एकड तथा शिवप्रसाद नगर (बंजा) विकासखंण्ड़ भैयाथान जिला सरगुजा के आश्रम शाला का क्षेत्रफल न्यूनतम 6.50 एकड़ है ।

प्रत्येक आश्रम शाला/कन्या शिक्षा परिसर में स्वीकृत सीटों की संख्या 420 है बालक आश्रम शालाओं में स्वीकृत 2520 सीटस में से 1789 सीट (70.99प्रतिशत) भरे हुये हैं, कन्या आश्रम शालाओं में स्वीकृत 840 सीट्स में से 519 सीट्स (61.78 प्रतिशत) भरे हुये हैं, मूल्यांकित समस्त आश्रम शालाओं में स्वीकृत सीट 3360 में से वर्ष 2010–2011 की स्थिति में 2308 सीट्स (68.69 प्रतिशत) भरे हुये हैं बालक आश्रमों में (29.01 प्रतिशत) तथा कन्या आश्रमों में 38.22 प्रतिशत सीट्स रिक्त हैं बालक आश्रमों की तुलना में कन्या आश्रमों मे (9. 21) प्रतिशत अधिक सीट्स रिक्त हैं।

सर्वाधिक दर्ज संख्या 360 शिवप्रसाद नगर (बंजा) में तथा न्यूनतम दर्ज संख्या 209 कटेकल्याण बालिका आश्रम में है।

2.2 आश्रम शाला भवन में उपलब्ध कक्षों की संख्या :–

आश्रम शाला में अध्ययन और अध्यापन को सफल बनाने के लिए आश्रम शाला भवन में प्राचार्य कक्ष, स्टाफ कक्ष, अध्यापन कक्ष, कामन रूम एवं आश्रम शाला सम्बंधित दस्तावेज को रखने के लिए स्टोर रूम, लिपिक कक्ष बनाया गया है, सभी आश्रम शाला में प्राचार्य कक्ष एवं अन्य कक्ष पर्याप्त संख्या में उपलब्ध है।

आश्रम शाला विद्यालय में अध्ययन/अध्यापन कक्ष पर्याप्त संख्या में उपलब्ध है, सभी आदर्श विद्यालयों में दर्ज संख्या 2308 के लिये 60 अध्यापन कक्ष है अर्थात 38 .5 छात्र/छात्राओं के लिए एक अध्यापन कक्ष है।

आश्रम शाला में विशेषीकृत विषय, जीव विज्ञान, रसायन, भौतिक विषय के प्रयोग शाला कक्ष की व्यवस्था है, सभी आश्रमशाला में 18 प्रयोग शाला कक्ष है।

विषय संबंधित पाठ्य – सामग्री पढ़ने के लिए वाचनालय की व्यवस्था है 8 आश्रम शाला में जिसमें शिवप्रसादनगर (बंजा), छोटेमुड़पार, खरसियां, सन्ना एवं कटेकल्याण आश्रम शाला में वाचनालय कक्ष नही है, शेष आश्रम शालाओ में एक कक्ष का वाचनालय संचालित है।

Scanned with CamScanner

सभी आश्रम शालाओं में एक–एक कम्प्यूटर कक्ष की व्यवस्था है, एवं सभी आश्रम शाला में प्रसाधन कक्ष की व्यवस्था किया गया है।

2.2.1 आश्रम शाला भवन में उपलब्ध कक्षों संख्या

सारणी क्र. 2.2.1

क्र.	आश्रम शाला का नाम	उपलब्ध कक्षों की संख्या			
		प्राचार्य कक्ष संख्या	अध्यापकों के स्टाफ रूम /कामन रूम	अध्ययन/ अध्यापन कक्ष	लिपिक कक्ष
1	2	3	4	5	6
अ	**बालक आश्रम शाला**				
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	1	1	11	1
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	1	1	12	1
3.	लाम कन्हार/ अंतागढ़	1	1	7	2
4.	कमलेश्वरपुर /मैनपाट	1	1	7	—
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	1	1	4	—
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	1	1	7	—
उपयोग (1–6)		**6**	**6**	**48**	**4**
ब	**कन्या आश्रम शाला**				
7.	सन्ना /बगीचा	1	1	8	—
8.	कटेकल्याण	1	1	4	—
उपयोग (7–8)		**2**	**2**	**12**	—
महायोग (1–8)		**8**	**8**	**60**	**4**

सभी आश्रम शालाओं में प्राचार्य कक्ष एवं स्टाफ की व्यवस्था है। शिवप्रसादनगर (बंजा) बालक आश्रम में 4 तथा कटेकल्याण कन्या आश्रम में भी मात्र 4 अध्यापन कक्ष है इन दोनों आश्रम शालाओं में दर्ज संख्या कमशः 360 एवं 209 है आश्रम शालाओं में अध्यापन कक्ष की औसत संख्या 7.5 है तीन आश्रम शालाओं में अध्यापन कक्षों की संख्या 7 है तथा 3 आश्रम शालाओं में 7 से अधिक संख्या में अध्यापन कक्ष है ।

Scanned with CamScanner

केवल 3 बालक आश्रमों में पृथक से लिपिक कक्ष है , शेष 5 आश्रम शालाओं में लिपिक बरामदे में बैठते है, नये भवन का पूर्ण रूप से निर्माण नही हुआ है वैकल्पिक व्यवस्था के तहत रखा गया है।

2.2.2. आश्रम शाला विद्यालय में अध्ययन / अध्यापन कक्षों की संख्या

सारणी क्र. 2.2.2

क्र.	आश्रम शाला का नाम	दर्ज संख्या (वर्ष 2010–11)	अध्ययन /अध्यापन कक्षों की संख्या
1	2	3	4
अ	**बालक आश्रम शाला**		
1.	तरेगांव(जंगल) / बोड़ला	288	11
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	254	12
3.	लाम कन्हार/ अंतागढ़	252	7
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	300	7
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	360	4
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	335	7
	उपयोग (1–6)	**1789**	**48**
ब	**कन्या आश्रम शाला**		
7.	सन्ना /बगीचा	310	8
8.	कटेकल्याण	209	4
	उपयोग (7–8)	***519***	***12***
	महायोग (1–8)	**2308**	**60**

उपर्युक्त सारणी से यह स्पष्ट है कि आदर्श विद्यालयों में दर्ज संख्या 2308 के लिये 60 अध्यापन कक्ष है अर्थात 38.5 छात्र /छात्राओं के लिये एक अध्यापन कक्ष है शिवप्रसाद नगर एवं कटेकल्याण में अध्यापन कक्षों की कमी यहां कमशः 90 छात्रों तथा 52 छात्राओं के लिये औसतन एक अध्यापन कक्ष की सुविधा है।

Scanned with CamScanner

2.2.3 आश्रम शाला भवन में उपलब्ध प्रयोगशाला, वाचनालय, कम्प्यूटर, स्टोर कक्षों की संख्या

सारणी क्र. 2.2.3

क्र.	आश्रम शाला का नाम	उपलब्ध कक्षों की संख्या			
		प्रयोग शाला कक्ष	वाचनालय कक्ष	कम्प्यूटर कक्ष	स्टोर कक्ष
1	2	3	4	5	6
अ	बालक आश्रम शाला				
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	3	1	1	3
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	3	1	1	1
3.	लाम कन्हार/ अंतागढ़	3	1	1	1
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	3	1	1	1
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	1	–	1	1
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	3	–	1	1
उपयोग (1–6)		**16**	**4**	**6**	**8**
ब	कन्या आश्रम शाला				
7.	सन्ना /बगीचा	1	–	1	1
8.	कटेकल्याण	1	–	1	1
उपयोग (7–8)		**2**	–	**2**	**2**
महायोग (1–8)		**18**	**4**	**8**	**10**

8 आश्रम शालाओं में 18 प्रयोगशाला कक्ष है शिवप्रसाद नगर, सन्ना एवं कटेकल्याण में एक–एक प्रयोगशाला कक्ष है शेष आश्रमशालाओं में प्रत्येक आश्रम में 3 प्रयोगशाला कक्ष है।

Scanned with CamScanner

शिवप्रसाद नगर, छोटेमुड़पार, सन्ना एवं कटेकल्याण आश्रमशालाओं में वाचनालय कक्ष नही है शेष आश्रम शालाओं में एक–एक वाचनालय संचालित हैं। सभी आश्रम शालाओं में एक–एक कम्प्यूटर तथा स्टोर कक्ष है ।

2.2.4 आश्रम शाला भवन में उपलब्ध प्रसाधन कक्षों की संख्या

सारणी क्र 2.2.4

क्र.	आश्रम शाला का नाम	प्रसाधन कक्षों की संख्या		
		शौचालय कक्ष	मूत्रालय कक्ष	दर्ज संख्या
1	2	3	4	5
अ	**बालक आश्रम शाला**			
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	26	26	288
2.	करपावण्ड़/बकावण्ड़	26	26	254
3.	लाम कन्हार/अंतागढ़	26	26	252
4.	कमलेश्वर/मैनपाट	26	26	300
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	4	2	360
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	26	26	335
उपयोग (1–6)		**134**	**132**	**1789**
ब	**कन्या आश्रम शाला**			
7.	सन्ना/बगीचा	8	6	310
8.	कटेकल्याण	8	6	209
उपयोग (7–8)		**16**	**12**	**519**
महायोग (1–8)		**150**	**144**	**2308**

आश्रम शालाओं 13.4 बालकों के लिये एक शौचालय तथा 32. 4 बालिकाओं के लिये एक शौचालय है।

शिवप्रसाद नगर बालक आश्रम में न्यूनतम 90 बालकों के लिये एक शौचालय है, शौचालयों से मूत्रालयों की संख्या कम है 13.6 बालकों के लिये एक मूत्रालय तथा 43.3 बालिकाओं के लिये एक मूत्रालय की सुविधा है शिवप्रसाद नगर में 180 बालकों के लिये एक मूत्रालय है ।

Scanned with CamScanner

2.3 आश्रम शाला भवन में पेयजल व्यवस्था

सारणी क्र. 2.3

क्र.	आश्रम शाला का नाम	पेयजल व्यवस्था		
		हैण्डपम्प	ट्यूब बेल (बोर)	नलकूप
1	2	3	4	5
अ	बालक आश्रम शाला			
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	–	1	–
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	–	1	–
.	लाम कन्हार/ अंतागढ़	–	1	–
4.	कमलेश्वरपुर / मैनपाट	1	–	–
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	1	–	–
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	–	1	–
	उपयोग (1–6)	2	4	–
ब	कन्या आश्रम शाला			
7.	सन्ना /बगीचा	–	1	–
8.	कटेकल्याण	–	1	–
	उपयोग (7–8)	–	2	–
	महायोग (1–8)	2	6	–

शिवप्रसाद नगर एवं कमलेश्वरपुर में पेयजल हेतु हेण्डपम्प है तथा शेष आश्रम शाला में ट्यूबवेल (बोर पम्प) की सुविधा है ,

आश्रम भवन के साथ इसी तरह की सुविधा आश्रम छात्रावास में भी उपलब्ध है. इसका विवरण सारणी क्र. पर दर्शित है।

Scanned with CamScanner

2.4 आश्रम शाला भवन में विद्युतीकरण

सारणी क्र 2.4

क्र	आश्रम शाला का नाम	विद्युतीकरण	
		विद्युतकृत	विद्युतकृत /सौर उर्जा
1	2	3	4
अ	**बालक आश्रम शाला**		
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	1	–
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	–	1
.	लाम कन्हार/ अंतागढ़	1	–
4.	कमलेश्वरपुर / मैनपाट	1	–
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	1	–
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	1	–
उपयोग (1–6)		**5**	**1**
ब	**कन्या आश्रम शाला**		
7.	सन्ना /बगीचा	1	–
8.	कटेकल्याण	1	–
उपयोग (7–8)		**2**	–
महायोग (1–8)		**7**	**1**

करपावण्ड़ आश्रम शाला में विद्युत एवं सौर उर्जा से विद्युत प्राप्त किया जाता है शेष 7 आश्रम शालाओं में इलेक्ट्रानिक विद्युत से विद्युत प्राप्त है. कोई भी आश्रम शाला अविद्युतीकृत नही है।

Scanned with CamScanner

अध्याय –तीन

आश्रम छात्रावास में उपलब्ध सुविधाएँ

छात्रावास परिसर में छात्रों के निवासगृह, शयन कक्ष अधीक्षक, शिक्षक चौकीदार आवास गृह, पेयजल, भोजन कक्ष, स्टोर रूम आदि सुविधाएँ उपलब्ध करायी जाती है ।

मूल्यांकित एकलव्य आदर्श उ.मा. विद्यालय के छात्रावास में उपलब्ध सुविधाओं यथा छात्रावास भवन में उपलब्ध कक्ष, भोजन कक्ष, मनोरंजन कक्ष, स्टोर कक्ष ,प्रशाधन कक्ष विद्युतीकरण रसोई कक्ष पेयजल आदि सुविधाओं का विवरण दिया गया है।

3.1 आश्रम अधीक्षक /अधिक्षिका की शैक्षणिक योग्यता

सारणी क्र. 3.1

क्र.	छात्रावास का नाम	आश्रम अधीक्षक /अधिक्षिका		शैक्षणिक योग्यता		निवास स्थान
		पु./म.	जाति	स्नातक /स्नाको.	प्रशिक्षित /अप्रशिक्षित	परिसर/बाहर
1	2	3	4	5	6	7
अ.	बालक आश्रम शाला					
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	म.	अजजा.	स्नातकोत्तर	प्रशिक्षित	परिसर
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	पु.	अना.	स्नातकोत्तर	अप्रशिक्षित	परिसर
3.	लामकन्हार/ अंतागढ़	पु.	अजजा.	स्नातकोत्तर	प्रशिक्षित	परिसर
4.	कमलेश्वरपुर / मैनपाट	पु.	अ.पि.व	स्नातकोत्तर	प्रशिक्षित	परिसर
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	पु.	अना.	स्नातकोत्तर	प्रशिक्षित	बाहर
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	म.	अजजा.	स्नातकोत्तर	प्रशिक्षित	परिसर
ब	कन्या आश्रम शाला					
7.	सन्ना/बगीचा	म.	अजजा.	स्नातक	अप्रशिक्षित	बाहर
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	म.	अजजा.	स्नातकोत्तर	अप्रशिक्षित	बाहर

मूल्यांकित सभी आश्रम छात्रावासों में छात्रावास अधीक्षक कार्यरत है 6 बालक आश्रम छात्रावासों में 4 पुरूष तथा 2 महिला अधीक्षक (अ.ज.जा. वर्ग) है । 4 छात्रावासों में 2

Scanned with CamScanner

अधीक्षक सामान्य वर्ग के एक पिछड़ा वर्ग का तथा 1 अनुसूचित जनजाति वर्ग का है 2 कन्या छात्रावासों 2 अनु. जनजाति वर्ग की महिला अधीक्षक कार्यरत है कन्या छात्रावास की एक महिला अधिक्षिका स्नातक है शेष 7 छात्रावासों में स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त अधीक्षक है

कन्या छात्रावास की दोनों अधिक्षिकाएँ अप्रशिक्षित है, तथा शेष छात्रावासों में प्रशिक्षित अधीक्षक हैं तथा एक पुरूष अधीक्षक एवं दो महिला अधिक्षिका आश्रम परिसर के बाहर निवासरत हैं शेष 5 अधीक्षक आश्रम/छात्रावास परिसर में ही रहते हैं।

3.2 छात्रावास भवन में उपलब्ध कक्षों की संख्या :–

छात्रावास भवन में छात्रों के लिये शयन कक्ष की व्यवस्था है सभी छात्रावासों में 160 शयन कक्ष है प्रति शयन कक्ष छात्र – छात्राओं की संख्या 14.4 है। अर्थात 14.4 विद्यार्थियों के लिए एक शयन कक्ष है।

छात्रावास परिसर में शिक्षक/अशिक्षकीय निवासगृह की व्यवस्था है। आश्रम शाला तरेगांव (जंगल), करपावण्ड़, लाम्कन्हार एवं छोटे मुड़पार आश्रम/छात्रावास परिसर में 4 प्राचार्य कक्ष 22 शिक्षक आवास गृह तथा 14 कर्मचारी आवास गृह है । शेष आश्रम/छात्रावास में प्राचार्य , शिक्षक आवास गृह एवं कर्मचारी आवासगृह निर्माणधीन है ।

छात्रावास भवन में अनाज की बोरिया ,बर्तन साग–सब्जी एवं अन्य सामग्री रखने के लिए स्टोर कक्ष की व्यवस्था किया गया है निर्माणाधिन छात्रावास में एक–एक स्टोर रूम है जो कि स्टोर /भण्डारण के लिए अपर्याप्त है, शेष आश्रम/छात्रावास में दो–दो स्टोर कक्ष है अतएवं इन छात्रावासों में स्टोर/भण्ड़ारण के लिये पर्याप्त स्थान उपलब्ध है।

8 छात्रावास परिसर में 189 शौचालय है 12.2 विद्यार्थियों के लिये औसतन एक शौचालय उपलब्ध है छात्रावासों में मूत्रालयो की संख्या 157 है 16.6 विद्यार्थियों के लिए औसतन एक मूत्रालय है छात्रावास में स्नानागार कक्ष की संख्या 213 है, सभी छात्रावासों में भोजन कक्ष एवं रसोई कक्ष उपलब्ध है।

Scanned with CamScanner

3.2.1 आश्रम छात्रवास में शयन कक्षों/बिस्तर की संख्या :

सारणी क्र. 3.2.1

क्र.	छात्रावास का नाम	बालक /बालिका की दर्ज संख्या वर्ष (2010–11)	शयन कक्षों की संख्या	शयन कक्षों में बिस्तर की संख्या	पर्याप्त/अपर्याप्त
1	2	3	4	5	6
अ	बालक आश्रम शाला				
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	288	18	245	अपर्याप्त
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	254	36	250	अपर्याप्त
3.	लामकन्हार/ अंतागढ़	252	36	200	अपर्याप्त
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	300	05	153	अपर्याप्त
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	360	09	164	अपर्याप्त
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	335	40	275	अपर्याप्त
	उपयोग (1–6)	**1789**	**144**	**1287**	
ब	कन्या आश्रम शाला				
7.	सन्ना /बगीचा	310	09	150	अपर्याप्त
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	209	07	120	अपर्याप्त
	उपयोग (7–8)	**519**	**16**	**270**	
	महायोग (1–8)	**2308**	**160**	**1557**	

दर्ज संख्या के मान से छात्र –छात्राओं के लिये पर्याप्त बिस्तर नही है 2308 छात्र–छात्राओं के लिये 1557 बिस्तर की व्यवस्था है, अर्थात प्रति बिस्तर छात्र/छात्राओं की संख्या 1.4 है।

छात्रावासों में 160 शयन कक्ष है प्रति शयन कक्ष छात्र–छात्राओं की संख्या 14.4 है, निर्माणाधीन छात्रावास भवनों में शयन कक्ष की संख्या बहुत कम है।

दर्ज संख्या के मान से 32.54 प्रतिशत बिस्तरों की कमी है। 8 एकलव्य आदर्श आवासीय छात्रावास में से 5 आर्दश आवासीय छात्रावास में (तरेगांव (जं)/बोड़ला, करपावण्ड़/बकावण्ड, लामकन्हार/अंतागढ़, कटेकल्याण/कटेकल्याण ,कमलेश्वरपुर/मैनपाट) छात्रावास में बिस्तर लोहे का है। एवं 2 एकलव्य छात्रावास में शिवप्रसादनगर/भैयाथान, सन्ना/बगीचा, छोटे मुड़पार खरसियां के छात्रावास में लकड़ी का पलंग है।

Scanned with CamScanner

3.2.2 छात्रावास भवन में शयन कक्षों की संख्या

सारणी क्र.3.2.2

क्र.	छात्रावास का नाम	बालक /बालिका की दर्ज संख्या वर्ष (2010–11)	शयन कक्षों की संख्या	पर्याप्त /अपर्याप्त
1	2	3	4	6
अ	**बालक आश्रम शाला**			
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	288	18	पर्याप्त
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	254	36	पर्याप्त
3.	लाम कन्हार/ अंतागढ़	252	36	पर्याप्त
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	300	05	अपर्याप्त*
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	360	09	अपर्याप्त*
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	335	40	पर्याप्त
उपयोग (1–6)		**1789**	**144**	
ब	**कन्या आश्रम शाला**			
7.	सन्ना /बगीचा	310	09	अपर्याप्त*
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	209	07	अपर्याप्त*
उपयोग (7–8)		**519**	**16**	
महायोग (1–8)		**2308**	**160**	

आश्रम शालाओं के छात्रावासों में दर्ज संख्या 2308 के विरूद्ध 160 शयन कक्ष है अर्थात औसतन 144 विद्यार्थियों के लिये एक शयन कक्ष है ।

निर्माणधीन आश्रम शालाओं * में शयन कक्षों की संख्या कम है कमलेश्वरपुर , शिवप्रसाद नगर (बंजा), सन्ना , कटेकल्याण के आवास पूर्णरूप से निर्माण नही हुआ है , इस कारण से वैकल्पिक व्यवस्था के तहत रखा गया है।

Scanned with CamScanner

3.2.3 आश्रम/छात्रावास परिसर में शिक्षक /अशिक्षकीय निवास गृह

सारणी क्र. 3.2.3

क्र.	छात्रावास का नाम	शिक्षक /अशिक्षकीय आवास गृह संख्या		
		प्राचार्य कक्ष संख्या	शिक्षक आवास गृह संख्या	चौकीदार कक्षों की संख्या
1	2	3	4	6
अ	**बालक आश्रम शाला**			
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	01	06	02
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	01	06	04
3.	लाम कन्हार/ अंतागढ़	01	06	04
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	निर्माणाधिन	निर्माणाधिन	निर्माणाधिन
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	निर्माणाधिन	निर्माणाधिन	निर्माणाधिन
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	01	04	04
ब	**कन्या आश्रम शाला**			
7.	सन्ना /बगीचा	निर्माणाधिन	निर्माणाधिन	निर्माणाधिन
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	निर्माणाधिन	निर्माणाधिन	निर्माणाधिन

तरेगांव, करपावण्ड़, लामकन्हार एवं छोटे मुड़पार आश्रम/छात्रावास परिसर में 4 प्राचार्य कक्ष 22 शिक्षक आवास गृह तथाा 14 कर्मचारी आवास गृह है ।

कमलेश्वरपुर, शिवप्रसादनगर, सन्ना एवं कटेकल्याण में प्राचार्य कक्ष, शिक्षक आवासगृह तथा कर्मचारी आवास गृह निर्माणाधीन है ।

Scanned with CamScanner

3.2.4 छात्रावास भवन में स्टोररूम कक्षों की संख्या

सारणी क्र. 3.2.4

क्र.	छात्रावास का नाम	स्टोर रूम कक्षों की संख्या	पर्याप्त /अपर्याप्त
1	2	3	4
अ	**बालक आश्रम शाला**		
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	03	पर्याप्त
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	02	पर्याप्त
3.	लाम कन्हार/ अंतागढ़	02	पर्याप्त
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	01	अपर्याप्त *
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	01	अपर्याप्त *
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	02	पर्याप्त
	उपयोग (1–6)	**11**	
ब	**कन्या आश्रम शाला**		
7.	सन्ना /बगीचा	01	अपर्याप्त *
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	01	अपर्याप्त *
	उपयोग (7–8)	**2**	
	महायोग	**13**	

कमलेश्वरपुर, शिवप्रसादनगर, सन्ना एवं कटेकल्याण छात्रावास भवन में एक –एक स्टोर रूम है, जो कि स्टोर /भड़ारण के लिये अपर्याप्त है ।

तरेगांव में तीन एवं करपावण्ड़, लामकन्हार, छोटेमुड़पार में दो–दो स्टोर कक्ष है अतएवं इन छात्रावासों में स्टोर/भंड़ारण के लिये पर्याप्त स्थान उपलब्ध है ।

Scanned with CamScanner

3.2.5 छात्रावास परिसर में उपलब्ध कक्षों की संख्या

सारणी क्र. 3.2.5

क्र.	छात्रावास का नाम	बालक /बालिका की दर्ज संख्या वर्ष (2010–11)	प्रशाधन कक्षों की संख्या		स्नानागार कक्ष
			शौचालय कक्षों की संख्या	मूत्रालय कक्षो की संख्या	
1	2	3	4	5	6
अ	**बालक आश्रम शाला**				
1.	तरेगांव(जंगल) /बोड़ला	288	26	26	48
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	254	48	48	48
3.	लाम कन्हार/ अंतागढ़	252	48	20	48
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	300	26	26	08
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	360	04	02	02
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	335	26	26	48
उपयोग (1–6)		**1789**	**178**	**148**	**202**
ब	**कन्या आश्रम शाला**				
7.	सन्ना /बगीचा	310	04	02	04
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	209	07	07	07
उपयोग (7–8)		**519**	**11**	**9**	**11**
महायोग (1–8)		**2308**	**189**	**157**	**213**

आठ छात्रावास परिसरों में 189 शैचालय है, 12.2 विद्यार्थियों के लिये औसतन एवं शौचालय उपलब्ध है छात्रावासों में मूत्रालयों की संख्या 157 है 16.6 विद्यार्थियों के लिये औसतन एक मूत्रालय है।

बालक छात्रावास शिवप्रसाद नगर , तथा कन्या छात्रावास सन्ना एवं कटेकल्याण में शौचालय तथा मूत्रालयों की बहुत कमी है इन छात्रावासों में कमशः 90, 77.5 एवं 29.8 विद्यार्थियों के लिये औसतन एक शौचालय उपलब्ध है । इन छात्रावासों में मूत्रालयों की संख्या भी कम है , शिवप्रसादनगर सन्ना एव कटेकल्याण में कमशः औसतन 180 छात्र ,155 छात्राएं एवं 29.8 छात्राओं के लिये एक मूत्रालय की व्यवस्था है, इन छात्रावासों में अतिरिक्त शौचालयों /मूत्रालय निर्माणाधीन है ।

Scanned with CamScanner

3.2.6 छात्रावास भवन में भोजन कक्षों की संख्या

सारणी क्र.3.2.6

क्र.	छात्रावास का नाम	भोजन कक्षों की संख्या	पर्याप्त /अपर्याप्त
1	2	3	4
अ	**बालक आश्रम शाला**		
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	01	अपर्याप्त
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	01	पर्याप्त
3.	लामकन्हार/ अंतागढ़	01	अपर्याप्त
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	01	अपर्याप्त
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	01	अपर्याप्त
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	01	अपर्याप्त
उपयोग (1–6)		06	
ब	**कन्या आश्रम शाला**		
7.	सन्ना /बगीचा	01	अपर्याप्त
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	01	अपर्याप्त
उपयोग (7–8)		02	
महायोग		08	

आश्रम /छात्रावास ,करपावण्ड़ एवं लामकन्हार में भोजन कक्ष के लिये पर्याप्त स्थान है शेष 6 आश्रम छात्रावासों में भोजन कक्ष उपलब्ध है किन्तु उनमें स्थान अपर्याप्त है ।

Scanned with CamScanner

3.2.7 छात्रावास भवन में रसोई कक्षों की संख्या

सारणी क्र.3.2.7

क्र.	आश्रम शाला का नाम	रसोई कक्षो की संख्या	पर्याप्त /अपर्याप्त
1	2	3	4
अ	**बालक आश्रम शाला**		
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	01	पर्याप्त
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	01	पर्याप्त
3.	लामकन्हार/ अंतागढ़	01	पर्याप्त
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	01	पर्याप्त
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	01	पर्याप्त
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	01	पर्याप्त
	उपयोग (1–6)	**06**	**पर्याप्त**
ब	**कन्या आश्रम शाला**		
7.	सन्ना /बगीचा	01	पर्याप्त
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	01	पर्याप्त
	उपयोग (7–8)	**02**	**पर्याप्त**
	महायोग	**08**	**पर्याप्त**

प्रत्येक छात्रावास भवन में रसोई कक्ष है तथा रसाई कक्ष में भोजन पकाने के लिये पर्याप्त स्थान उपलब्ध है ।

Scanned with CamScanner

3.3 छात्रावास भवन में गद्दे/तकियों की संख्या

सारणी क्र.3.3

क्र.	छात्रावास का नाम	विवरण		
		गद्दे की संख्या	तकियों की संख्या	पर्याप्त/ अपर्याप्त
1	2	3	4	5
अ	बालक आश्रम शाला			
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	210	210	अपर्याप्त
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	200	200	अपर्याप्त
3.	लामकन्हार/ अंतागढ़	300	300	पर्याप्त
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	153	153	अपर्याप्त
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	165	70	अपर्याप्त
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	271	200	अपर्याप्त
उपयोग (1–6)		1299	1133	
ब	कन्या आश्रम शाला			
7.	सन्ना /बगीचा	120	80	अपर्याप्त
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	80	70	अपर्याप्त
उपयोग (7–8)		200	150	
महायोग (1–8)		1499	1283	पर्याप्त–1 अपर्याप्त–7

मूल्यांकित छात्रावासों में बिस्तरों की संख्या 1557 है किन्तु इन बिस्तरों के लिये 1499 गद्दे तथा 1283 तकिये है केवल एक छात्रावास लामकन्हार में 300 दर्ज संख्या पर 200 बिस्तर तथा 300 गद्दे तथा 300 तकिया है अन्य सभी छात्रावासों में गद्दे/तकियों की संख्या आवश्यकता से कम है दर्ज संख्या के मान से 35.05 प्रतिशत गद्दे तथा 44.41 प्रतिशत तकियों की कमी है

सभी आश्रम छात्रावास में रूई युक्त गद्दे /तकियों का उपयोग किया गया है ।

Scanned with CamScanner

3.4 आश्रम छात्रावास में चादर/कम्बालों /मच्छरदानी की संख्या

सारणी 3.4

क्र.	छात्रावास का नाम	विवरण					
		चादरों की संख्या	पर्याप्त/ अपर्याप्त	कम्बलों की संख्या	पर्याप्त /अपर्याप्त	मच्छरदानी की संख्या	पर्याप्त /अपर्याप्त
1	2	3	4	5	6	7	8
अ	बालक आश्रम शाला						
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	215	अपर्याप्त	240	अपर्याप्त	290	पर्याप्त
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	250	अपर्याप्त	225	अपर्याप्त	300	पर्याप्त
3.	लामकन्हार/ अंतागढ़	300	पर्याप्त	250	अपर्याप्त	330	पर्याप्त
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	316	पर्याप्त	158	अपर्याप्त	153	अपर्याप्त
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	390	पर्याप्त	197	अपर्याप्त	274	अपर्याप्त
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	270	अपर्याप्त	168	अपर्याप्त	270	अपर्याप्त
	उपयोग (1–6)	1741		1238		1617	
ब	कन्या आश्रम शाला						
7.	सन्ना /बगीचा	150	अपर्याप्त	213	अपर्याप्त	100	अपर्याप्त
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	300	पर्याप्त	150	अपर्याप्त	180	अपर्याप्त
	उपयोग (7–8)	450		363		280	
	महायोग	2191		1601		1897	पर्याप्त – 3 अपर्याप्त– 5

दर्ज संख्या के मान से 4 छात्रावासों में चादरों की संख्या पर्याप्त है तथा 4 छात्रावासों में चादरों की कमी है छात्रावासों में चादरों की संख्या 2191 है जो दर्ज संख्या से 5.06 प्रतिशत कम है । वस्तुतः एक बच्चों को कम से कम 2 चादर उपलब्ध कराया जाना चाहिए इस परिप्रेक्ष्य में चादरों की संख्या 105.06 प्रतिशत कमी है।

चादरों की तरह छात्रावासों में कम्बलों की संख्या भी अपर्याप्त है , किसी छात्रावास में पर्याप्त संख्या में कम्बल उपलब्ध नही है।

दर्ज संख्या के मान से कम्बलों की उपलब्ध संख्या 30.63 प्रतिशत कम है ।

सभी छात्रावास में सूती के चादर एवं प्लास्टीक युक्त मच्छरदानी दिया गया है ।

Scanned with CamScanner

3.5 छात्रावास भवन में भोजन पकाने में उपयुक्त ईंधन के प्रकार

सारणी क्र.3.5

क्र.	आश्रम शाला का नाम	ईंधन का प्रकार	
		लकड़ी	गैस
1	2	3	4
अ	**बालक आश्रम शाला**		
1.	तरेगांव (जंगल) / बोड़ला	लकड़ी	–
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	लकड़ी	–
3.	लाम कन्हार / अंतागढ़	लकड़ी	–
4.	कमलेश्वरपुर / मैनपाट	लकड़ी	–
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) / भैयाथान	लकड़ी	–
6	छोटे मुड़पार / खरसियां	–	L.P.G गैस
ब	**कन्या आश्रम शाला**		
7.	सन्ना / बगीचा	लकड़ी	–
8.	कटेकल्याण / कटेकल्याण	लकड़ी	–

आश्रम छोटे मुड़पार (खरसियां) में भोजन पकाने /तैयार करने के लिये L.P.G गैस का ईंधन के रूप में उपयोग किया जाता है शेष सभी 7 आश्रम भवनों में ईंधन के लिये पारम्परिक रूप से जलाऊ लकड़ी का उपयोग होता है ।

Scanned with CamScanner

3.6 छात्रावास भवन में थाली /गिलासों की संख्या

सारणी क्र.3.6

क्र.	छात्रावास का नाम	विवरण		
		थाली की संख्या	गिलास की संख्या	पर्याप्त/ अपर्याप्त
1	2	3	4	5
अ	बालक आश्रम शाला			
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	200	190	अपर्याप्त
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	150	140	अपर्याप्त
3.	लामकन्हार/ अंतागढ़	150	150	अपर्याप्त
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	238	120	अपर्याप्त
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	205	205	अपर्याप्त
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	164	164	अपर्याप्त
	उपयोग (1–6)	1107	969	
ब	कन्या आश्रम शाला			
7.	सन्ना /बगीचा	250	200	अपर्याप्त
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	200	130	अपर्याप्त
	उपयोग (7–8)	450	330	अपर्याप्त–8
	महायोग (1–8)	1557	1299	

आदर्श विद्यालय/छात्रावास में दर्ज 2308 छात्र –छात्राओं के लिये 1557 थालियां तथा 1299 गिलास उपलब्ध है यह सुविधा अपर्याप्त है ।

सभी आश्रम छात्रावास छात्रों को स्टील की थाली, कटोरी एवं गिलास दिया गया है ।

Scanned with CamScanner

3.7 आश्रम छात्रावास में पेयजल /विद्युतीकरण

सारणी क्र.3.7

क्र	छात्रावास का नाम	पेयजल		विद्युतीयकरण	
		हैण्डपम्प	ट्यूबवेल (बोर)	विद्युत	विद्युत/सौर ऊर्जा
1	2	3	4	5	6
अ	**बालक आश्रम शाला**				
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	–	ट्यूबवेल	विद्युत	–
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	–	ट्यूबवेल	–	विद्युत/सौर ऊर्जा
3.	लाम कन्हार/ अंतागढ़	–	ट्यूबवेल	विद्युत	–
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	हैण्डपम्प	–	विद्युत	–
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	हैण्डपम्प	–	विद्युत	–
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	–	ट्यूबवेल	विद्युत	–
ब	**कन्या आश्रम शाला**				
7.	सन्ना /बगीचा	–	ट्यूबवेल	विद्युत	–
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	–	ट्यूबवेल	विद्युत	–
	योग	**2**	**6**	**7**	**1**

कमलेश्वरपुर एवं शिवप्रसाद नगर छात्रावास में पेयजल एवं निस्तार हेतु हैण्ड़पम्प की सुविधा है शेष 6 छात्रावासों में टयूबवेल से जल प्राप्त किया जाता है । कोई भी छात्रावास में पेयजल सुविधा विहीन नही है ।

सभी छात्रावास परिसर विद्युतीयकृत है करपावण्ड़ छात्रावास सौरऊर्जा से ऊर्जाकृत है तथा शेष 7 छात्रावास परिसर ताप विद्युत से विद्युतीयकृत है ।

Scanned with CamScanner

अध्याय– चार

आश्रम शाला के लिए शिक्षकीय एवं गैर शिक्षकीय स्वीकृत/रिक्त पद का विवरण

4.1 आश्रम शाला में शिक्षकीय स्वीकृत /रिक्त पदों की संख्या

आश्रम शालाओं के लिये प्राचार्य, उप प्रचार्य उच्च श्रेणी शिक्षक, सहायक शिक्षक, प्रयोगशाला सहायक, लिपिक, भृत्य, चौकीदार रसोईयॉ, माली आदि पद स्वीकृत है इन पदों के विरूद्ध कार्यरत एवं रिक्त पदों का विवरण इस अध्याय में उल्लेखित है –

4.1.1 आश्रम शाला में प्राचार्य एवं उपप्राचार्य के लिए स्वीकृत /रिक्त पदों की संख्या

सारणी क्र 4.1.1

क्र.	आश्रम शाला का नाम	प्राचार्य		उप प्राचार्य	
		स्वीकृत पद	रिक्त पद	स्वीकृत पद	रिक्त पद
1	2	3	4	5	6
अ	**बालक आश्रम शाला**				
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	01	01	01	01
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	01	01	01	01
3.	लाम कन्हार/ अंतागढ़	01	01	01	01
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	01	01	01	–
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	01	01	01	–
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	01	01	01	–
	उपयोग (1–6)	**06**	**06**	**06**	**03**
ब	**कन्या आश्रम शाला**				
7.	सन्ना /बगीचा	01	01	01	01
8.	कटेकल्याण	01	01	01	01
	उपयोग (7–8)	**02**	**02**	**02**	**02**
	महायोग (1–8)	**08**	**08**	**08**	**05**

उपर्युक्त आठ आश्रम शालाओं में प्राचार्य के 8 पद तथा उप प्राचार्य के 8 पद स्वीकृत पद के विरूद्ध 8 प्राचार्य पद तथा 05 उप प्राचार्य पद रिक्त है । इन 16 पदों में से केवल 03

Scanned with CamScanner

उप प्राचार्य के पद पर पदस्थापना की गई है, शेष पदों के विरूद्ध प्रभारी प्राचार्य एवं प्रभारी उप प्राचार्य कार्यरत है ।

4.1.2 उच्च श्रेणी के शिक्षक (T.G.T.) के लिए स्वीकृत /रिक्त पदों की संख्या

सारणी क्र 4.1.2

क्र.	आश्रम शाला का नाम	उच्च श्रेणी के शिक्षक (T.G.T.)			
		स्वीकृत पद	रिक्त पद	पदस्थ की संख्या	वैकल्पिक व्यवस्था
1	2	3	4	5	6
अ	**बालक आश्रम शाला**				
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	06	01	5	–
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	08	04	4	वैकल्पिक व्यवस्था
3.	लामकन्हार/ अंतागढ़	05	01	4	–
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	05	–	5	–
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	05	–	5	–
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	08	03	5	वैकल्पिक व्यवस्था
ब	**कन्या आश्रम शाला**				
7.	सन्ना /बगीचा	08	01	7	–
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	10	07	3	–
	योग	**55**	**17**	**38**	

उपर्युक्त 8 आश्रम शालाओं में उच्च श्रेणी शिक्षको (T.G.T) के 55 पद स्वीकृत है इसमें से 38 पद (69.09 प्रतिशत) भरे हुये तथा 17 पद (30.90 प्रतिशत) रिक्त है, करपावण्ड़ एवं छोटे मुड़पार रिक्त पद के विरूद्ध वैकल्पिक व्यवस्था की गई , वैकल्पिक व्यवस्था के अन्तर्गत शिक्षाकर्मी कार्यरत है ।

Scanned with CamScanner

4.1.3 सहायक शिक्षक (P.G.T.) के लिए स्वीकृत /रिक्त पदों की संख्या

सारणी क्र 4.1.3

क्र.	आश्रम शाला का नाम	सहायक शिक्षक (P.G.T.)			
		स्वीकृत पद	रिक्त पद	पदस्थ की संख्या	वैकल्पिक व्यवस्था
1	2	3	4	5	6
अ	**बालक आश्रम शाला**				
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	05	–	05	–
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	14	08	06	–
3.	लामकन्हार/ अंतागढ़	05	–	05	–
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	06	–	06	–
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	05	–	05	–
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	08	03	05	–
ब	**कन्या आश्रम शाला**				
7.	सन्ना /बगीचा	14	06	08	–
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	14	06	08	
	योग	**71**	**23**	**48**	

उपर्युक्त 8 आश्रम शालाओं में सहायक शिक्षक (P.G.T.) शिक्षको के 71 पद स्वीकृत है इसमें से 48 पद (67.60 प्रतिशत) भरे हुए तथा 23 पद (32.39 प्रतिशत) रिक्त है।

Scanned with CamScanner

4.2 आश्रम शाला में गैर शिक्षकीय के लिए स्वीकृत /रिक्त पदों की संख्या

आश्रम शाला के लिए शिक्षकीय पद जैसे स्टाफ, नर्स, लिपिक, प्रयोगशाला सहायक, भृत्य, चौकीदार रसोईयॉं, माली का स्वीकृत पदों का विवरण उल्लेखित है –

4.2.1 स्टाफ नर्स के लिए स्वीकृत /रिक्त पदों की संख्या

सारणी क्र.4.2.1

क्र.	आश्रम शाला का नाम	स्टाफ नर्स			
		स्वीकृत पद	रिक्त पद	पदस्थ की संख्या	वैकल्पिक व्यवस्था
1	2	3	4	5	6
अ	**बालक आश्रम शाला**				
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	01	01	–	–
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	01	01	–	–
3.	लामकन्हार/ अंतागढ़	01	–	01	–
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	01	01	–	–
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	01	01	–	–
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	01	01	–	–
ब	**कन्या आश्रम शाला**				
7.	सन्ना /बगीचा	01	01	–	–
8.	कटेकल्याण /कटेकल्याण	01	01	–	–
	योग	**08**	**07**	**01**	

उपर्युक्त 8 आश्रम शालाओं में स्टाफ नर्स के 8 पद स्वीकृत है इसमें से 01 पद (12.50 प्रतिशत) भरे हुए तथा 7 पद (87.50 प्रतिशत) रिक्त है।

Scanned with CamScanner

4.2.2 आश्रम शाला में लिपिक के लिए स्वीकृत /रिक्त पद संख्या

सारणी क्र. 4.2.3

क्र.	आश्रम शाला का नाम	लिपिक			
		स्वीकृत पद	रिक्त पद	पदस्थ की संख्या	वैकल्पिक व्यवस्था
1	2	3	4	5	6
अ	बालक आश्रम शाला				
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	03	01	02	–
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	03	03	–	–
3.	लामकन्हार/ अंतागढ़	01	01	–	–
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	03	03	–	–
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	01	01	–	–
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	03	02	01	–
ब	कन्या आश्रम शाला				
7.	सन्ना /बगीचा	02	01	01	–
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	02	02	–	–
योग		18	14	04	

उपर्युक्त 8 आश्रम शालाओं में लिपिक के 18 पद स्वीकृत है इसमें से 04 पद (22.22 प्रतिशत) भरे हुए तथा 14 पद (77.77 प्रतिशत) रिक्त है।

Scanned with CamScanner

4.2.3 आश्रम शाला में प्रयोगशाला सहायक के लिए स्वीकृत /रिक्त पद संख्या

सारणी क्र.4.2.3

क्र.	आश्रम शाला का नाम	प्रयोगशाला सहायक			
		स्वीकृत पद	रिक्त पद	पदस्थ की संख्या	वैकल्पिक व्यवस्था
1	2	3	4	5	6
अ	**बालक आश्रम शाला**				
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	01	–	01	–
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	02	01	01	–
3.	लामकन्हार/ अंतागढ़	01	–	01	–
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	01	–	01	–
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	01	–	–	–
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	01	01	01	–
ब	**कन्या आश्रम शाला**				
7.	सन्ना /बगीचा	02	01	01	–
8.	कटेकल्याण	02	02	–	–
	योग	**11**	**05**	**06**	

उपर्युक्त 8 आश्रम शालाओं में प्रयोगशाला के 11 पद स्वीकृत है इसमें से 06 पद (54.54 प्रतिशत) भरे हुए तथा 14 पद (77.77 प्रतिशत) रिक्त है।

Scanned with CamScanner

4.2.4 आश्रम शाला में भृत्य के लिए स्वीकृत/रिक्त पद संख्या

सारणी क्र.4.2.4

क्र.	आश्रम शाला का नाम	भृत्य			
		स्वीकृत पद	रिक्त पद	पदस्थ की संख्या	वैकल्पिक व्यवस्था
1	2	3	4	5	6
अ	**बालक आश्रम शाला**				
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	01	01	–	–
2.	करपावण्ड़/बकावण्ड़	02	01	01	–
3.	लामकन्हार/अंतागढ़	01	–	02	–
4.	कमलेश्वरपुर/मैनपाट	01	–	01	–
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	01	–	01	–
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	02	01	01	–
ब	**कन्या आश्रम शाला**				
7.	सन्ना/बगीचा	02	01	01	–
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	02	02	–	–
	योग	**12**	**06**	**06**	

उपर्युक्त 8 आश्रम शालाओं में भृत्य के 12 पद स्वीकृत है इसमें से 6 पद (50.00 प्रतिशत) भरे हुए तथा 6 पद (50.00 प्रतिशत) रिक्त है।

Scanned with CamScanner

4.2.5 आश्रम शाला में चौकीदार के लिए स्वीकृत /रिक्त पद संख्या

सारणी क्र.4.2.5

क्र	आश्रम शाला का नाम	चौकीदार			
		स्वीकृत पद	रिक्त पद	पदस्थ की संख्या	वैकल्पिक व्यवस्था
1	2	3	4	5	6
अ	**बालक आश्रम शाला**				
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	01	01	–	–
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	02	01	01	–
3.	लामकन्हार/ अंतागढ़	01	–	01	–
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	01	–	01	–
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	01	–	01	–
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	04	02	02	–
ब	**कन्या आश्रम शाला**				
7.	सन्ना /बगीचा	02	01	01	–
8.	कटेकल्याण	02	01	01	–
	योग	**14**	**06**	**08**	

उपर्युक्त 8 आश्रम शालाओं में चौकीदार के 14 पद स्वीकृत है इसमें से 8 पद (57.14 प्रतिशत) भरे हुए तथा 6 पद (42.85 प्रतिशत) रिक्त है।

Scanned with CamScanner

4.2.6 आश्रम शाला में रसोईयां के लिए स्वीकृत /रिक्त पद संख्या

सारणी क्र.4.2.6

क्र.	आश्रम शाला का नाम	चौकीदार			
		स्वीकृत पद	रिक्त पद	पदस्थ की संख्या	वैकल्पिक व्यवस्था
1	2	3	4	5	6
अ	बालक आश्रम शाला				
1.	तरेगांव (जंगल)/बोड़ला	05	05	–	वैकल्पिक व्यवस्था
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	02	01	01	–
3.	लामकन्हार/ अंतागढ़	04	01	03	–
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	05	01	04	–
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	05	02	03	–
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	06	02	04	–
ब	कन्या आश्रम शाला				
7.	सन्ना /बगीचा	06	02	04	–
8.	कटेकल्याण	06	02	04	–
	योग	**39**	**16**	**23**	

उपर्युक्त 8 आश्रम शालाओं में रसोईयां के 39 पद स्वीकृत है इसमें से 23 पद (58.97 प्रतिशत) भरे हुए तथा 16 पद (41.02 प्रतिशत) रिक्त है।

Scanned with CamScanner

4.2.7 आश्रम शाला में माली के लिए स्वीकृत /रिक्त पद संख्या

सारणी क्र.4.2.7

क्र.	आश्रम शाला का नाम	माली			
		स्वीकृत पद	रिक्त पद	पदस्थ की संख्या	वैकल्पिक व्यवस्था
1	2	3	4	5	6
अ	**बालक आश्रम शाला**				
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	01	01	–	
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	01	01	–	
3.	लामकन्हार/ अंतागढ़	01	01	–	–
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	01	01	–	–
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	01	01	–	–
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	01	01	–	–
ब	**कन्या आश्रम शाला**				
7.	सन्ना /बगीचा	01	01	–	–
8.	कटेकल्याण	01	01	–	–
	योग	**08**	**08**	–	–

उपर्युक्त 8 आश्रम शालाओं में माली के 8 पद स्वीकृत है ,जिसमें सभी पद रिक्त है।

Scanned with CamScanner

अध्याय –पॉच

आश्रम शाला में कक्षवार दर्ज संख्या का वर्षवार विवरण

5.1 आश्रम शाला के ,पूर्व माध्यमिक शालाओं के कक्षा में वर्षवार दर्ज संख्या

प्रस्तुत अध्याय में मूल्यांकित आश्रम शालाओं में पूर्व माध्यमिक कक्षाओं में वर्ष 2007–08, 2008–09, 2009 –10 तथा हाई स्कूल की कक्षा में वर्ष 2009–10 में दर्ज संख्या का विवरण दिया गया है।

5.1.1 वर्ष 2007–08 में पूर्व माध्यमिक शालाओं में कक्षावार दर्ज संख्या

सारणी क्र.5.1.1

क्र	आश्रम शाला का नाम	कक्षावार दर्ज संख्या			योग (6से 8तक)
		छठवीं	सातवीं	आठवी	
1	2	3	4	5	6
अ	बालक आश्रम शाला				
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	60	56	52	168
2.	करपावण्ड़/बकावण्ड़	52	46	40	138
3.	लामकन्हार/अंतागढ़	60	35	35	130
4.	कमलेश्वरपुर/मैनपाट	21	28	20	69
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	26	28	07	61
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	38	37	29	104
उपयोग (1–6)		**257**	**230**	**183**	**670**
ब	कन्या आश्रम शाला				
7.	सन्ना/बगीचा	46	44	23	113
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	39	31	27	97
उपयोग (7–8)		**85**	**75**	**50**	**210**
महायोग (1–8)		**342**	**305**	**233**	**880**
प्रतिशत		**38.86**	**34.66**	**26.48**	**100.00**

वर्ष 2007 –08 में मूल्यांकित आश्रम शालाओं में कक्षा 6 वीं से 8 वीं तक कुल दर्ज संख्या 880 थी इसमें से 38.86 प्रतिशत कक्षा 6वीं में, 34.66 प्रतिशत 7वीं में एवं 26.48

Scanned with CamScanner

प्रतिशत कक्षा 8 वीं में दर्ज थे कक्षा 6वीं की दर्ज संख्या से कक्षा 8वीं में दर्ज संख्या में 12.38 प्रतिशत की कमी आयी है शिवप्रसाद नगर में कक्षा 6वीं में 26 छात्र दर्ज थे। दर्ज संख्या कक्षा 8वीं में मात्र 7 रह गई है अर्थात कक्षा 8 वीं की दर्ज संख्या में 31.15 प्रतिशत की कमी आयी है इसका कारण अनुत्तीर्ण होने के कारण एवं कुछ छात्र अन्यत्र अध्ययन करने के कारण दर्ज संख्या में कमी आयी है ।

5.1.2 वर्ष 2008–09 में पूर्व माध्यमिक शालाओं में कक्षावार दर्ज संख्या

सारणी क्र.5.1.2

क्र	आश्रम शाला का नाम	कक्षावार दर्ज संख्या			योग (6से 8तक)
		छठवीं	सातवीं	आठवी	
1	2	3	4	5	6
अ	बालक आश्रम शाला				
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	60	55	55	170
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	52	48	40	140
3.	लामकन्हार/ अंतागढ़	60	41	32	133
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	58	18	26	102
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	59	24	28	111
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	60	33	37	130
उपयोग (1–6)		**349**	**219**	**218**	**786**
ब	कन्या आश्रम शाला				
7.	सन्ना /बगीचा	60	45	41	146
8.	कटेकल्याण	40	35	29	104
उपयोग (7–8)		**100**	**80**	**70**	**250**
महायोग (1–8)		**449**	**299**	**288**	**1036**
प्रतिशत		**43.34**	**28.87**	**27.79**	**100.00**

वर्ष 2008 –09 में मूल्यांकित आश्रम शालाओं की पूर्व माध्यमिक कक्षाओं में दर्ज कुल 1036 विद्यार्थियों में से 43.34 प्रतिशत छठवीं में, 28.87 प्रतिशत कक्षा सातवीं में तथा 27.79 प्रतिशत कक्षा 8वीं में दर्ज थे, कक्षा छठवीं से कक्षा 8वीं दर्ज संख्या में 27.79 प्रतिशत कमी आयी है वर्ष 07–08 में

Scanned with CamScanner

कक्षा छठवीं से कक्षा 8वीं में दर्ज संख्या में 31.15 प्रतिशत कमी आयी थी वर्ष 2007–08 की तुलना में वर्ष 08–09 में 3.86 प्रतिशत कमी आयी है अर्थात दर्ज संख्या में आंशिक सुधार हुआ है, पूर्व वर्ष की तरह वर्ष 08–09 में भी शिवप्रसादनगर अश्राम विद्यालय में कक्षा छठवीं में दर्ज 59 छात्रों में से कक्षा 8 वीं में मात्र 28 छात्र दर्ज थे इसी तरह कमलेश्वरपुर में कक्षा छठवी में दर्ज 58 छात्रों में से मात्र 26 छात्र 8वीं में दर्ज पाये गये इस अप्रत्याशित दर्ज संख्या में कमी कारण इन शालाओं में स्थान की कमी तथा छात्रों का अनुतीर्ण होने एवं अन्य शालाओं में प्रवेश लेने के कारण कक्षा 8वीं में दर्ज संख्या में बहुत कमी आयी है ।

5.1.3 वर्ष 2009–10 में पूर्व माध्यमिक शालाओं में कक्षावार दर्ज संख्या

सारणी क्र.5.1.3

क्र.	आश्रम शाला का नाम	कक्षावार दर्ज संख्या			योग (6से 8तक)
		छठवीं	सातवीं	आठवी	
1	2	3	4	5	6
अ	बालक आश्रम शाला				
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	60	58	54	172
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	55	45	47	147
3.	लामकन्हार/ अंतागढ़	60	51	39	150
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	59	41	10	110
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	60	57	23	140
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	60	53	27	140
उपयोग (1–6)		**354**	**305**	**200**	**859**
ब	कन्या आश्रम शाला				
7.	सन्ना /बगीचा	57	59	44	160
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	43	39	32	114
उपयोग (7–8)		**100**	**98**	**76**	**274**
महायोग (1–8)		**454**	**403**	**276**	**1133**
प्रतिशत		**40.07**	**35.57**	**24.36**	**100.00**

Scanned with CamScanner

वर्ष 2009 –10 में मिड़िल कक्षाओं में दर्ज 1133 विद्यार्थियों में से कक्षा छठवीं में 40.07 प्रतिशत कक्षा छठवीं में 35.57 प्रतिशत तथा कक्षा 8वीं में 29.36 प्रतिशत दर्ज संख्या थी कक्षा छठवीं से कक्षा 8वीं में दर्ज संख्या में 15.71 प्रतिशत कमी है जो कि पूर्व वर्षा में कक्षा छठवीं से 8वीं में दर्ज संख्या में आयी कमी की तुलना में कम है, वर्ष 2009–10 में भी पूर्व वर्षो की तरह कमलेश्वरपुर विद्यालय में कक्षा छठवीं में दर्ज 60 छात्रों में से कक्षा 8वीं में मात्र 10 छात्र दर्ज पाये गये विद्यालय शिवप्रसाद नगर तथा छोटे मुड़पार में भी कक्षा छठवीं में दर्ज संख्या से कक्षा 8वीं में दर्ज संख्या आधे से भी कम रही है ।

बालक विद्यालयों की तुलना में बालिका विद्यालयों में कक्षा छठवीं से कक्षा 8वीं में दर्ज संख्या में विशेष कमी नहीं आयी है।

5.2 वर्ष 2009–10 आश्रम शाला में हाई स्कूल स्तर में दर्ज संख्या

सारणी क्र. 5.2

क्र	आश्रम शाला का नाम	कक्षावार दर्ज संख्या		योग (9वीं से 10वीं तक)
		नवमीं	दसवीं	
1	2	3	4	5
अ	बालक आश्रम शाला			
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	52	49	101
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	36	36	72
3.	लामकन्हार/ अंतागढ़	31	29	60
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	25	16	41
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	25	06	31
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	36	27	63
उपयोग (1–6)		205	163	368
ब	कन्या आश्रम शाला			
7.	सन्ना /बगीचा	41	21	62
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	31	23	54
उपयोग (7–8)		72	44	116
महायोग (1–8)		277	207	484
प्रतिशत		57.24	42.76	100.00

Scanned with CamScanner

वर्ष 2009–10 में आदर्श विद्यालयों (आश्रम शालाओं) में हाई स्कूल स्तर पर कुल 484 छात्र– छात्राएं दर्ज थे इसमें से 277 छात्रा –छात्राएं (57.24 प्रतिशत) कक्षा 9वीं में तथा 207 छात्र –छात्राएं (42.76 प्रतिशत) कक्षा 10वीं में दर्ज थे ।

कक्षा नवमीं की दर्ज संख्या से कक्षा 10वीं की दर्ज संख्या में (25.27 प्रतिशत) की अप्रत्याशित कमी आयी है।

Scanned with CamScanner

अध्याय –छः

आश्रम शाला में विद्यार्थीयों का वर्षवार परीक्षा परिणाम तथा क्षति एवं अवरोध

6.1 आश्रम शाला में विद्याथीयों का वर्षवार परीक्षा परिणाम

6.1.1 वर्ष 2007–08 मूल्यांकित आश्रम शाला के कक्षा 8वी (बोर्ड़ परीक्षा) का परीक्षा परिणाम

सारणी क्र.6.1.1

क्र.	आश्रम शाला का नाम	कक्षा आठवीं का परीक्षा परिणाम			उत्तीर्ण से प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण का प्रतिशत
		परीक्षा में शामिल	उत्तीर्ण	प्रथम श्रेणी	
1	2	3	4	5	6
अ	बालक आश्रम शाला				
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	52	52	20	38.46
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	40	39	08	20.51
3.	लाम कन्हार/ अंतागढ़	35	35	14	40.00
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	20	20	17	85.00
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	07	07	06	85.71
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	29	29	26	89.65
	उपयोग (1–6)	**183**	**182**	**91**	**50.00**
	प्रतिशत	**100.00**	**99.45**	–	–
ब	कन्या आश्रम शाला				
7.	सन्ना /बगीचा	23	23	07	30.43
8.	कटेकल्याण	27	24	03	12.50
	उपयोग (7–8)	**50**	**47**	**10**	**21.27**
	प्रतिशत	**100**	**94.00**	–	–
	महायोग (1–8)	**233**	**229**	**101**	**44.10**
	प्रतिशत	**100.00**	**98.28**	–	–

वर्ष 2007–08 में 8वीं बोर्ड़ परीक्षा में 99.45 प्रतिशत छात्र ,94.00 प्रतिशत छात्राएं तथा कुल 98.28 प्रतिशत छात्र/छात्राएं उत्तीर्ण हुये है इसे श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम कहा जा

Scanned with CamScanner

सकता है उत्तीर्ण छात्रों में 50 प्रतिशत छात्र तथा 21.27 प्रतिशत छात्राएं प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुये है, छात्राओं का परीक्षा परिणाम गुणात्मक दृष्टी से अच्छा नहीं रहा है।

6.1.2 वर्ष 2008–09 मूल्यांकित आश्रम शाला के कक्षा 8वीं (बोर्ड़ परीक्षा) का परीक्षा परिणाम

सारणी क्र.6.1.2

क्र.	आश्रम शाला का नाम	कक्षा आठवीं का परीक्षा परिणाम			उत्तीर्ण से प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण का प्रतिशत
		परीक्षा में शामिल	उत्तीर्ण	प्रथम श्रेणी	
1	2	3	4	5	6
अ	बालक आश्रम शाला				
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	55	53	53	100.00
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	40	35	07	20.00
3.	लान कन्हार/ अंतागढ़	32	32	20	62.50
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	26	26	15	57.69
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	28	25	18	72.00
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	37	37	27	72.97
उपयोग (1–6)		218	208	140	67.30
	प्रतिशत	100.00	95.41	–	–
ब	कन्या आश्रम शाला				
7.	सन्ना /बगीचा	41	41	14	34.14
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	29	25	–	–
उपयोग (7–8)		70	66	14	21.21
प्रतिशत		100.00	94.29	–	–
महायोग (1–8)		288	274	154	56.00
प्रतिशत		100.00	95.14	–	–

वर्ष 2008–09 में 8वीं बोर्ड़ परीक्षा में 94.29 प्रतिशत छात्र तथा 94.29 प्रतिशत छात्राएं उत्तीर्ण घोषित हुई है 67.30 छात्र प्रथम श्रेणी से तथा 21.21 प्रतिशत छात्राएं प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुई है वर्ष 2007 –08 की तरह वर्ष 2008–09 में परीक्षा परिणाम श्रेष्ठ रहा है किन्तु छात्राओं का गुणात्मक परीक्षा परिणाम अच्छा नहीं रह है।

Scanned with CamScanner

6.1.3 वर्ष 2009–10 में मूल्यांकित आश्रम शाला के कक्षा 8वी (बोर्ड़ परीक्षा) का परीक्षा परिणाम

सारणी क्र.6.1.2

क्र.	आश्रम शाला का नाम	कक्षा आठवीं का परीक्षा परिणाम			उत्तीर्ण से प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण का प्रतिशत
		परीक्षा में शामिल	उत्तीर्ण	प्रथम श्रेणी	
1	2	3	4	5	6
अ	बालक आश्रम शाला				
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	54	51	46	90.19
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	47	47	10	21.27
3.	लाम कन्हार/ अंतागढ़	39	39	24	61.53
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	10	10	08	80.00
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	23	23	22	95.65
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	27	27	25	92.59
	उपयोग (1–6)	**200**	**197**	**135**	**68.52**
	प्रतिशत	**100.00**	**98.50**	–	–
ब	कन्या आश्रम शाला				
7	सन्ना/बगीचा	44	44	38	86.36
8	कटेकल्याण/कटेकल्याण	32	32	14	43.75
	उपयोग (7–8)	**76**	**76**	**52**	**68.49**
	प्रतिशत	**100.00**	**100.00**	–	–
	महायोग (1–8)	**276**	**273**	**187**	**68.49**
	प्रतिशत	**100.00**	**98.91**	–	–

वर्ष 2009 –10 में(98.50 प्रतिशत) छात्र तथा (100.00प्रतिशत) छात्राएं पूर्व माध्यमिक परीक्षा में उत्तीर्ण है। (68.52 प्रतिशत) छात्र तथा (68.42 प्रतिशत) छात्राओं ने पूर्व माध्यमिक परीक्षा प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण की है, वर्ष 2009 –10 में छात्र/छात्राओं का गुणात्मक परीक्षा

Scanned with CamScanner

परिणाम श्रेष्ठ रहा है विशेषकर छात्रओं का गुणात्मक परीक्षा परिणाम पूर्व वर्षो की तुलना में बहुत अच्छा है ।

6.1 वर्ष 2009–10 में मूल्यांकित आश्रम शाला के कक्षा 10वीं (बोर्ड़परीक्षा) का परीक्षा परिणाम

सारणी क्र.6.2

क्र	आश्रम शाला का नाम	कक्षा दसवीं का परीक्षा परिणाम			उत्तीर्ण से प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण का प्रतिशत
		परीक्षा में शामिल	उत्तीर्ण	प्रथम श्रेणी	
1	2	3	4	5	6
अ	बालक आश्रम शाला				
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	49	34	07	20.58
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	36	26	03	11.53
3.	लाम कन्हार/ अंतागढ़	29	27	07	25.92
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	16	16	06	37.50
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	6	5	04	80.00
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	26	25	18	72.00
	उपयोग (1–6)	**162**	**133**	**45**	**33.83**
	प्रतिशत	**100.00**	**82.09**	–	–
ब	कन्या आश्रम शाला				
7.	सन्ना /बगीचा	20	14	04	28.57
8.	कटेकल्याण	23	21	07	33.33
	उपयोग (7–8)	**43**	**35**	**11**	**31.42**
	प्रतिशत	**100.00**	**81.39**	–	–
	महायोग (1–8)	**205**	**168**	**56**	**33.33**
	प्रतिशत	**100.00**	**81.95**	–	–

वर्ष 2009 –10 में (82.09 प्रतिशत)छात्र तथा (81.95 प्रतिशत) छात्राओं ने हाई बोर्ड परीक्षा में उत्तीर्ण है, (33.83 प्रतिशत) छात्र तथा(31.42 प्रतिशत) छात्राओं ने हाई स्कूल परीक्षा प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण की है वर्ष 2009–10 में छात्र/छात्राओं का गुणात्मक परीक्षा परिणाम श्रेष्ठ रहा है ।

Scanned with CamScanner

6.3 क्षति एवं अवरोध

सितम्बर 2005–06 में कक्षा छठवीं में अध्ययनरत 244 छात्र /छात्राओं का सितम्बर 2011 तक निरन्तर अध्ययनरत रहे अथवा नहीं की जानकारी संकलित की गई है इससे यह ज्ञात होता है कि कितने छात्र /छात्राएं अपना अध्ययन निरन्तर पांच वर्ष तक जारी रख से तथा कितने छात्र इन पांच वर्षो के अन्तराल में अपना अध्ययन जारी नहीं रख सके है अर्थात् उनके अध्ययन में अवरोध आया है इसका निवास निम्न सारणी में दर्शित है ।

सारणी क्र.6.3

वर्ष 2005 में कक्षा 6वीं में दर्ज जनजाति विद्यार्थी

क्र.	आश्रम शाला का नाम	दर्ज संख्या (वर्षवार)					
		सितम्बर 2005 में 6 वीं	सितम्बर 2006 में 7 वीं	सितम्बर 2007 में 8 वीं	सितम्बर 2008 में 9 वीं	सितम्बर 2009 में 10 वीं	सर्वेक्षित माह 2010 में 11वीं
1	2	3	4	5	6	7	8
अ	बालक आश्रम शाला						
1.	तरेगांव(जंगल) /बोड़ला	14	14	13	13	12	12
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	52	47	38	35	35	26
3.	लाम कन्हार/ अंतागढ़	60	39	36	34	32	29
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	22	22	20	18	16	–
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	9	8	6	6	5	5
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	31	25	25	25	25	25
	उपयोग (1–6)	188	155	138	131	125	97
ब	कन्या आश्रम शाला						
7.	सन्ना /बगीचा	23	23	23	21	21	21
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	33	18	17	17	17	17
	उपयोग (7–8)	56	41	40	38	38	38
	महायोग (1 से 8 तक)	244	196	178	169	163	135
	6 वीं से 11 वीं में प्रवेश प्रतिशत उपयोग (1–6)	100.00	82.4	73.4	69.7	66.5	51.59
	प्रतिशत उपयोग (7–8)	100.00	73.2	71.4	67.9	67.9	67.9
	प्रतिशत महायोग (1से8)	100.00	80.3	73.0	69.3	66.8	55.32
	8वीं से11वीं में प्रवेश प्रतिशत (उपयोग (1–6)			100.00	94.9	90.6	70.2
	प्रतिशत (उपयोग (7–8)			100.00	95.0	95.0	95.0
	प्रतिशत (उपयोग (1–8)			100.00	94.9	91.9	75.84

Scanned with CamScanner

बालकों के कक्षा 6वीं में दर्ज संख्या से कक्षा 11वीं में दर्ज संख्या में 39.9 प्रतिशत की कमी आयी है । बालिकाओं के कक्षा 6वीं में दर्ज संख्या से 11वीं में दर्ज संख्या में 32.1 प्रतिशत की कमी आयी है । बालक –बालिकाओं की कक्षा 6वीं में दर्ज संयुक्त संख्या से कक्षा 11 वीं में प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या में 38.1 प्रतिशत की कमी आयी है । बालकों की तुलना में बालिकाओं की कक्षा 6वीं से 11वीं में प्रवेश संख्या में 7.8 प्रतिशत कमी है अर्थात् बालिकाओं में बालकों की तुलना में कम अवरोध है । बालकों के कक्षा 8 वीं से 11 वीं में प्रवेश संख्या में 18.1 प्रतिशत कमी तथा बालिकाओं के कक्षा 11 वी में प्रवेश संख्या में मात्र 5 प्रतिशत की कमी आयी है बालक –बालिकाओं की संयुक्त संख्या में कक्षा 8वीं से 11 वीं में प्रवेश संख्या में 5.2 प्रतिशत की कमी आयी है। बालकों की तुलना में बालिकाओं की कक्षा 11वीं में प्रवेश संख्या में 12.9 प्रतिशत कम है अर्थात बालिकाओं में अवरोध की स्थिति कम पायी गई है । उपयुक्त विवरण से स्पष्ट है कि कक्षा 6वीं से 11वीं तक निरन्तर अध्ययन करने वाले विद्यार्थियो की संख्या 61.9 प्रातिशत तथा कक्षा 8वीं से 11वीं तक निरन्तर अध्ययनरत विद्यार्थियों की संख्या 94.8 प्रतिशत है /

6.4 आश्रमशाला त्यागने के कारण

1. लम्बी अनुपस्थित के कारण
2. अनुतीर्ण होने के कारण
3. दूसरे स्थान पर अन्यत्र अध्ययन के कारण
4. अन्य विद्यालय में चयन होने के कारण

Scanned with CamScanner

अध्याय –सात

आश्रम शाला के संबंध में शिक्षक,छात्रावास, अधीक्षक एवं विद्यार्थियों का दृष्टिकोण

आश्रम शाला स्थापना का उद्देश्य छात्र / छात्राओं सम्पूर्ण शैक्षणिक , शारीरिक विकास है उद्देश्य के अनुरूप शासन द्वारा आश्रम शालाओं में सुविधाएं उपलब्ध करायी गई है । यह जानना आवश्यक है कि इन सुविधाओं के प्रति छात्रा–छात्राओं ,शिक्षकों तथा छात्रावास अधीक्षकों का दृष्टिकोण क्या है ? इससे आश्रम शालाओ की गतिविधियों में सकारात्मक सुधार करने प्रयास किया जा सकता है। और विद्यार्थियों को उनके सर्वागीण शैक्षिक /शारीरिक विकास का अवसर प्राप्त हो सकता है ।

7.1 आश्रम शाला के संबंध में शिक्षकों का दृष्टिकोण :–

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में विद्यार्थियों को पर्याप्त सुविधा प्रदान की जाती है आश्रम शाला में विद्यार्थियों को दिये जानें वाली तात्कालिक आवश्यकतायुक्त सुविधाएं जैसे गणवेश, पाठ्य पुस्तक, जूता मोजा, खेल सामग्री इत्यादि सुविधाओं को शैक्षणिक सत्र में प्रारंभ होनें के पूर्व उपलब्ध कराई जाएं । विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए तथा शैक्षणिक स्तर को बढ़ाने के लिए पुस्तकालय में विषय संबंधी पुस्तकों के साथ विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिता परीक्षा संबंधी पुस्तकें रखा जाना चाहिय समय–समय पर आश्रम शाला में व्यक्तित्व विकास तथा सामान्य ज्ञान विकसित करनें के लिए सामान्य ज्ञान संबंधी प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता होना चाहिये , छात्रों को खेल–खेल में विभिन्न प्रकार की शिक्षा भी दी जा सकती है ।

उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्तर के आश्रम शालाओं में विषयवार कोचिंग की व्यवस्था होनीं चाहिये एवं उसके साथ–साथ उच्च स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा IIT, JEE, AIEEE, PMT, PET, PPT , PAT की परीक्षा नियमित कोचिंग की सुविधा प्रदान कराएं जाएं। इन परीक्षा से संबंधित विषय विशेषज्ञ की नियुक्ति आमंत्रित करना चाहिए ।

Scanned with CamScanner

आश्रम शाला में (एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय) नव नियुक्त शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए , जिससे शिक्षकों में अध्यापन कौशल का विकास हो सके और छात्रों को विषय संबंधित तथ्यों को उचित एवं सुरूचिपूर्ण ढंग से सीखा एवं पढ़ा सके । एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शिक्षकों के अनुसार प्रतिवर्ष अन्य एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय 15 दिनों के लिए एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय में अध्यापन हेतु भेजा जाना चाहिए ।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के शैक्षणिक महत्व तथा जनजातीय शिक्षा में गुणात्मक विकास हेतु प्रत्येक जिला के प्रत्येक विकासखंड में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय खोला जाना चाहिए। एकलव्य आदर्श आवासीय कन्या शिक्षा परिसर सन्ना तथा कटेकल्याण में छात्राओं की सुरक्षा की दृष्टि से आश्रम शाला में बाउड्रीवाल निर्मित की जाय ।

आदिवासी बच्चों में खेलों के प्रति नैसर्गिक रूप से रूझान अधिक होता है विद्यालय में विभिन्न प्रकार के खेल खिलाये जाए एवं खेल सामग्री उपलब्ध कराएं जाएं, आश्रम शाला में दो प्रशिक्षित शारीरिक शिक्षक की नियुक्ति किया जाएं , विशेष प्रकार के खेलों की स्तर को बढ़ावा देनें के लिए NIS कोच द्वारा प्रतिवर्ष शिविर लगाना चाहिए जिससे एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय के छात्र–छात्राएं राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी बन सकें ।

आश्रम शाला में अत्याधुनिक स्टीम बायलर गैस प्रणाली का उपयोग छात्रावास के रसोईघर में किया जाना चाहिए, विद्यार्थियों के अध्यापन के लिए सौर ऊर्जा संयंत्र छात्रावास भवन स्थापित करना चाहिए , छात्रावास पेयजल सुविधा हेतु ऑल ओवर टैंक (20,000 ली) क्षमता वाला टैंक स्थापित कराएं जाएं ।

7.2 आश्रम छात्रावास के संबंध में अधीक्षकों का दृष्टिकोण

1. छात्रावास में बच्चों के लिए अध्ययन हेतु डेस्क/टेबल व स्वयं के निजी सामान को सुरक्षित रखनें हेतु आलमारी की व्यवस्था होनी चाहिए ।
2. छात्रावास में समान लानें ल जानें के लिए वाहन की व्यवस्था उपलब्ध कराए जाएं , क्योंकि छात्रावास हेतु खाद्य सामग्री सब्जी आदि 10–15 कि.मी. दूरी से लाया जाता है ।
3. छात्रों की चिकित्सीय सुविधा/देखभाल के लिए आश्रम परिसर में डॉक्टर एवं नर्स की सुविधा उपलब्ध कराएं जाए ।

Scanned with CamScanner

4. विद्युत के वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में जनरेटर लगाना चाहिए ।
5. छात्रावास में माली, नाई , रसोईयों की पर्याप्त संख्या में व्यवस्था होना चाहिए ।
6. भोजन पकानें हेतु उन्नत किस्म का किचन शेड एवं गैस सिलेन्डर की व्यवस्था उपलब्ध कराना चाहिए।
7. छात्रावास में बच्चों को संभालनें हेतु एक छात्रावास अधीक्षक पदरथ हैं इसके अतिरिक्त एक सहायक छात्रावास अधीक्षक की नियुक्ति किया जाना उचित होगा।

7.3 विद्यार्थियों का आश्रम छात्रावास में प्रदत्त सुविधाओं के संबंध में विचार

7.3.1 सर्वेक्षित विद्यार्थियों में पाठ्य पुस्तक प्रदाय एवं गणवेश के संबंध में विचार

सारणी क्र 7.3.1

क्र.	आश्रम शाला का नाम	प्रदत्त सुविधाएं एवं उनके प्रति सर्वेक्षित विद्यार्थियों का विचार									
		पाठ्य पुस्तको का प्रदाय					गणवेश				
		संतोष जनक	अच्छा	खराब	अनु.	योग	संतोष जनक	अच्छा	खराब	अनु.	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
अ	बालक आश्रम शाला										
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	–	14	–	–	14	–	14	–	–	14
2.	करपावण्ड़/बकावण्ड़	–	20	–	–	20	–	20	–	–	20
3.	लामकन्हार/अंतागढ़	–	20	–	–	20	–	20	–	–	20
4.	कमलेश्वरपुर/मैनपाट	–	10	–	–	10	–	10	–	–	10
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा)/भैयाथान	–	16	–	–	16	–	16	–	–	16
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	–	20	–	–	20	–	20	–	–	20
उपयोग (1–6)		–	100	–	–	100	–	100	–	–	100
	प्रतिशत	–	100.00	–	–	100.00	–	100.00	–	–	100.00
ब	कन्या आश्रम शाला										
7.	सन्ना /वगीचा	–	10	–	–	10	–	10	–	–	10
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	–	10	–	–	10	–	10	–	–	10
	उपयोग (7–8)	–	20	–	–	20	–	20	–	–	20
	प्रतिशत	–	100.00	–	–	100.00	–	100.00	–	–	100.00
	महायोग	–	120	–	–	120	–	120	–	–	120
	प्रतिशत	–	100.00	–	–	100.00	–	100.00	–	–	100.00

विद्यार्थी पाठ्य पुस्तकों के प्रदाय एवं गणवेश प्रदाय से संतुष्ट है आश्रम शालाओं के समस्त विद्यार्थियों ने इन योजनाओं को अच्छा बताया है ।

Scanned with CamScanner

7.3.2 सर्वेक्षित विद्यार्थियों में छात्रवृत्ति/शिष्यवृत्ति के संबंध में विचार

सारणी क्र. 7.3.2

क्र.	आश्रम शाला का नाम	प्रदत्त सुविधाएं एवं उनके प्रति सर्वेक्षित विद्यार्थियों का विचार				
		छात्रवृत्ति /शिष्यवृत्ति				
		संतोष जनक	अच्छा	खराब	अनु.	योग
1	2	3	4	5	6	7
अ	**बालक आश्रम शाला**					
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	–	14	–	–	14
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	–	20	–	–	20
3.	लामकन्हार/ अंतागढ़	–	20	–	–	20
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	–	10	–	–	10
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	–	16	–	–	16
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	–	20	–	–	20
	उपयोग (1–6)	–	**100**	–	–	**100**
	प्रतिशत	–	**100.00**	–	–	**100.00**
ब	**कन्या आश्रम शाला**					
7.	सन्ना /बगीचा	–	10	–	–	10
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	–	10	–	–	10
	उपयोग (7–8)	–	**20**	–	–	**20**
	प्रतिशत	–	**100.00**	–	–	**100.00**
	महायोग	–	**120**	–	–	**120**
	प्रतिशत	–	**100.00**	–	–	**100.00**

शत प्रतिशत छात्र /छात्राओं को नियमानुसार शिष्यवृत्ति एवं छात्रवृत्ति मिल रही है ।

Scanned with CamScanner

7.3.3 सर्वेक्षित विद्यार्थियों में दैनिक भोजन एवं मध्यांन भोजन से संबंधित विचार

सारणी क्र. 7.3.3

क्र.	आश्रम शाला का नाम	प्रदत्त सुविधाएं एवं उनके प्रति सर्वेक्षित विद्यार्थियों का विचार									
		दैनिक भोजन					मध्यांन भोजन				
		संतोष जनक	अच्छा	खराब	अनु.	योग	संतोष जनक	अच्छा	खराब	अनु	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
अ	बालक आश्रम शाला										
1.	तरेगांव(जंगल)/ बोड़ला	—	14	—	—	14	—	14	—	—	14
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	—	20	—	—	20	—	9	—	11	20
3.	लामकन्हार/ अंतागढ़	2	18	—	—	20	1	18	—	1	20
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	—	10	—	—	10	—	4	—	6	10
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	—	16	—	—	16	—	13	—	3	16
6	छोटे नुड़पार/खरसियां	—	20	—	—	20	—	20	—	—	20
उपयोग (1–6)		2	98	—	—	100	1	78	—	21	100
	प्रतिशत	2.00	98.00	—	—	100.00	1.00	78.00	—	21.00	100.00
ब	कन्या आश्रम शाला										
7.	सन्ना /बगीचा	2	8	—	—	10	—	7	—	3	10
8.	कटेकल्याण/ कटेकल्याण	2	8	—	—	10	—	9	—	1	10
	उपयोग (7–8)	4	16	—	—	20	—	16	—	4	20
	प्रतिशत	20.00	80.00	—	—	100.00	—	80.00	—	20.00	100.00
	महायोग	6	114	—	—	120	1	94	—	25	120
	प्रतिशत	5.00	95.00	—	—	100.00	0.83	78.33	—	—	100.00

टीप :– (आश्रम शाला में कक्षा 9वीं , 10वीं ,11वीं के विद्यार्थियों को मध्यांन भोजन प्रदाय करने का नियम नही है।) 2 प्रतिशत छात्रों तथा 20 प्रतिशत छात्राओं ने छात्रावास में भोजन प्रदाय को संतोष जनक तथा शेष छात्र/छात्राओं ने अच्छा भोजन मिलना बताया है , लामकन्हार बालक छात्रावास तथा सन्ना एवं कटेकल्याण बालिका छात्रावास की छात्राओं ने भोजन अच्छा न मिलना बताया है। 1.06 प्रतिशत छात्र /छात्राओं ने मध्यान्ह भांजन व्यवस्था को संतोषजनक तथा शेष 98.94 प्रतिशत छात्र/छात्राओं ने अच्छा बताया है ।

Scanned with CamScanner

7.3.4सर्वेक्षित विद्यर्थियों में विशेष भोजन एवं दूध/फल/अण्ड़े विद्यार्थियों संबंध में विचार

सारणी क्र. 7.3.4

क्र.	आश्रम शाला का नाम	प्रदत्त सुविधाएं एवं उनके प्रति सर्वेक्षित विद्यार्थियों का विचार									
		विशेष भोजन					दूध /फल /अण्ड़े				
		संतोष जनक	अच्छा	खराब	अनु.	योग	संतोष जनक	अच्छा	खराब	अनु	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
अ	बालक आश्रम शाला										
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	—	14	—	—	14	—	14	—	—	14
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	—	20	—	—	20	—	20	—	—	20
3.	लामकन्हार/ अंतागढ़	—	20	—	—	20	—	—	—	20	20
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	2	8	—	—	10	—	—	—	10	10
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	—	16	—	—	16	3	13	—	—	16
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	—	20	—	—	20	—	20	—	—	20
	उपयोग (1–6)	2	98	—	—	100	—	67	—	30	100
	प्रतिशत	2.00	98.00	—	—	100.00	3.00	100.00	—	30..	100.00
ब	कन्या आश्रम शाला										
7.	सन्ना /बगीचा	—	10	—	—	10	9	1	—	—	10
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	—	10	—	—	10	10	—	—	—	10
	उपयोग (7–8)	—	20	—	—	20	19	1	—	—	20
	प्रतिशत	—	100.00	—	—	100.00	95.00	5.00	—	—	100.00
	महायोग	2	118	—	—	120	22	68	—	—	120
	प्रतिशत	1.67	98.33	—	—	100.00	24.45	75.55	—	—	100.00

टीप :– आश्रम शाला लामकन्हार,बकावण्ड़, कमलेश्वरपुर, मैनपाट में दूध/फल/अण्ड़े अनुपलब्ध है।

लामकन्हार बालक आश्रम के 2 छात्रों ने विशेष भोजन प्रदाय योजना को संतोषजनक तथा 8 छात्रों ने इसे अच्छा बताया है कुल 1.67 प्रतिशत छात्र छात्राओं ने विशेष भोजन प्रदाय योजना को संतोषप्रद तथा शेष 98.23 प्रतिशत छात्र –छात्राओं ने अच्छा बताया है । दूध फल अण्ड़े आदि का बालक छात्रावास लामकन्हार एवं छोटे मुड़पार में प्रदाय नही किया जा रहा है इन वस्तुओं का छात्रावास से 30–40 कि.मी.दूर उपलब्ध होना है । 24.45 प्रतिशत छात्र/छात्राओं इस योजना को संतोषप्रद तथा 75.55 प्रतिशत छात्र –छात्राओं ने अच्छा बताया है ।

Scanned with CamScanner

7.3.5 विद्यार्थियों में सभी विषय में नियमित अध्ययन एवं कोचिंग के संबंध में विचार

सारणी क्र. 7.3.5

क्र.	आश्रम शाला का नाम	प्रदत्त सुविधाएं एवं उनके प्रति सर्वेक्षित विद्यार्थियों का विचार									
		सभी विषय में नियमित अध्ययन					कोचिंग				
		संतोष जनक	अच्छा	खराब	अनु.	योग	संतोष जनक	अच्छा	खराब	अनु	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
अ	बालक आश्रम शाला										
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	–	14	–	–	14	–	14	–	–	14
2.	करपावण्ड / बकावण्ड	–	20	–	–	20	20	–	–	–	20
3.	लामकन्हार/ अंतागढ़	5	15	–	–	20	20	–	–	–	20
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	3	7	–	–	10	10	–	–	–	10
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	–	16	–	–	16	14	2	–	–	16
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	–	20	–	–	20	–	20	–	–	20
	उपयोग (1–6)	8	92	–	–	100	64	36	–	–	100
	प्रतिशत	8.02	92.00	–	–	100.00	64.00	36.00	–	–	100.00
ब	कन्या आश्रम शाला										
7.	सन्ना /बगीचा	8	2	–	–	10	5	5	–	–	10
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	10		–	–	10	4	6	–	–	10
	उपयोग (7–8)	18	2	–	–	20	9	11	–	–	20
	प्रतिशत	90.00	10.00	–	–	100.00	45.00	55.00	–	–	100.00
	महायोग	26	94	–	–	120	73	47	–	–	120
	प्रतिशत	21.66	78.34	–	–	100.00	60.83	39.17	–	–	100.00

बालक आश्रम लामकन्हार , कमलेश्वरपुर कन्या आश्रम शाला सन्ना एवं कटेकल्याण में छात्र/छात्राओं के सभी विषयों का नियमित अध्यापन न होना बताया है ।

समग्र रूप से 21.66 प्रतिशत विद्यार्थियों ने सभी विषयों का नियमित अध्यापन न होना तथा शेष 78.34 प्रतिशत ने सभी विषयों का नियमित अध्यापन होना बताया है ।

60.83 प्रतिशत छात्र/छात्राओं ने कोचिंग व्यवस्था को संतोषप्रद तथा 39.37 प्रतिशत ने इसे अच्छा बताया है।

Scanned with CamScanner

7.3.6 सर्वेक्षित विद्यार्थियों वाचनालय एवं खेलकूद की सुविधा के संबंध विचार

सारणी क्र. 7.3.6

क्र.	आश्रम शाला का नाम	प्रदत्त सुविधाएं एवं उनके प्रति सर्वेक्षित विद्यार्थियों का विचार							
		वाचनालय				खेलकूद			
		संतोष जनक	अच्छा	अनु.	योग	संतोष जनक	अच्छा	अनु	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
अ	बालक आश्रम शाला								
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	–	14	–	14	–	14	–	14
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	–	–	20	20	20	–	–	20
3.	लाम कन्हार/ अंतागढ़	–	–	20	20	8	12	–	20
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	–	–	10	10	8	2	–	10
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	–	–	16	16	16		–	16
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	6	14	–	20	–	20	–	20
	उपयोग (1–6)	6	28	66	100	52	48	–	100
	प्रतिशत	6.00	28.00	66.00	100.00	52.00	–	–	100.00
ब	कन्या आश्रम शाला								
7.	सन्ना /बगीचा	–	–	10	10	10	–	–	10
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	–	–	10	10	5	5	–	10
	उपयोग (7–8)	–	–	20	20	15	–	–	20
	प्रतिशत	–	–	100.00	100.00	75.00	25.00	–	100.00
	महायोग	6	28	86	120	67	53	–	120
	प्रतिशत	5.00	23.34	71.66	100.00	55.84	44.16	.	100.00

मूल्यांकित 6 आश्रम शालाओं में (करपावण्ड़, लामकन्हार, कमलेश्वरपुर, शिवप्रसादनगर, सन्ना एवं कटेकल्याण) में वाचनालय की सुविधा नहीं है ।

छोटे मुड़पार एवं तरेगांव (जं) में ही वाचनालाय की सुविधा है तरेगांव (जं)के छात्रों के वाचनालय की सुविधा को अच्छा बताया है । तथा मुड़पार में 6 (30.00 प्रतिशत) छात्रों ने संतोषजनक तथा 14 छात्रों (70.00 प्रतिशत) ने अच्छा बताया है। 44.16 प्रतिशत छात्र /छात्राओ ने खेलकूद सुविधा में अच्छा तथा 55.84 प्रतिशत ने संतोषजनक बताया है।

Scanned with CamScanner

7.3.7 आश्रम शाला में योगा ,स्वास्थ्य परीक्षण के संबंध में सर्वेक्षित विद्यार्थियों का विचार

सारणी क्र. 7.3.7

क्र.	आश्रम शाला का नाम	प्रदत्त सुविधाएं एवं उनके प्रति सर्वेक्षित विद्यार्थियों का विचार									
		योगा					स्वास्थ्य परीक्षण				
		संतोष जनक	अच्छा	खराब	अनु.	योग	संतोष जनक	अच्छा	खराब	अनु	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
अ	बालक आश्रम शाला										
1.	तरेगांव(जंगल)/ बोड़ला	–	14	–	–	14	–	14	–	–	14
2.	करपावण्ड / बकावण्ड	20	–	–	–	20	20	–	–	–	20
3.	लाम कन्हार/ अंतागढ़	–	–	–	20	20	3	17	–	–	20
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	10	–	–	–	10	10	–	–	–	10
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	16	–	–	–	16	16	–	–	–	16
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	20	–	–	–	20	20	–	–	–	20
	उपयोग (1–6)	66	14	–	20	100	69	31	–	–	100
	प्रतिशत	66.00	14.00	–	0.00	100.00	69.00	31.00	–	–	100.00
ब	कन्या आश्रम शाला										
7.	सन्ना/बगीचा	10	–	–	–	10	10	–	–	–	10
8.	कटेकल्याण/ कटेकल्याण	10	–	–	–	10	10	–	–	–	10
	उपयोग (7–8)	20	–	–	–	20	20	–	–	–	20
	प्रतिशत	100.00	–	–	–	100.00	100.00	–	–	–	100.00
	महायोग	86	14	–	20	120	89	31	–	–	120
	प्रतिशत	86.00	14.00	–	–	100.00	74.17	25.83	–	–	100.00

8 बालक आश्रमों से लामकन्हार (अंतागढ़) बालक आश्रम को छोड़कर अन्य सभी 7 आश्रम शालाओं में योग शिक्षा दी जाती है सर्वेक्षित विद्यार्थियों में से 86 प्रतिशत ने योग शिक्षा को संतोषप्रद तथा 14 प्रतिशत विद्यार्थियों ने अच्छा बताया है। तरेगांव (जं) आश्रम शालाओं के सभी 14 विद्यार्थियों ने योगा शिक्षा को अच्छा बताया है ।

आश्रम शाला के सर्वेक्षित 120 विद्यार्थियों में से 89 विद्यार्थियों (74.17 प्रतिशत) ने शाला में स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम को संतोषप्रद तथा 31 विद्यार्थियों (25.83 प्रतिशत) ने अच्छा बताया है ।

Scanned with CamScanner

7.3.8 सर्वेक्षित विद्यार्थियों ओढ़ने–बिछाने की सामग्री एवं पेयजल सुविधा के संबंध विचार :–

सारणी क्र. 7.3.8

सर्वेक्षित विद्यार्थियों ओढ़ने –बिछाने की सामग्री एवं पेयजल सुविधा के संबंध विचार :–

क्र.	आश्रम शाला का नाम	प्रदत्त सुविधाएं एवं उनके प्रति सर्वेक्षित विद्यार्थियों का विचार					
		ओढ़ने – बिछाने			पेयजल		
		संतोष जनक	अच्छा	योग	संतोष जनक	अच्छा	योग
1	2	3	4	6	7	8	10
अ	**बालक आश्रम शाला**						
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	–	14	14	–	14	14
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	–	20	20	18	2	20
3.	लाम कन्हार/ अंतागढ़	–	20	20	–	20	20
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	10	–	10	10	–	10
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	16	–	16	16	–	16
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	–	20	20	–	20	20
	उपयोग (1–6)	26	74	100	44	56	100
	प्रतिशत	–	74.00	100.00	44.00	56.00	100.00
ब	**कन्या आश्रम शाला**						
7.	सन्ना /बगीचा	–	10	10	–	10	10
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	–	10	10	–	10	10
	उपयोग (7–8)	–	20	20	–	20	20
	प्रतिशत	–	20.00	100	–	20.00	100
	महायोग	26	94	120	44	76	120
	प्रतिशत	21.66	78.34	100.00	36.66	63.34	100.00

21.66 प्रतिशत छात्र/छात्राओं ने छात्रावासों में ओढ़ने बिछाने की सामग्री को संतोषजनक तथा 78.34 प्रतिशत छात्र/छात्राओं ने इसे अच्छा बताया है । कमलेश्वरपुर तथा

Scanned with CamScanner

शिवप्रसाद नगर के सभी छात्रों ने व्यवस्था को संतोषजन बताया है किसे ने इसे अच्छा नहीं कहा है। क्योंकि इन छात्रावासों में ओढ़ने – बिछाने की सामग्री बहुत कम/अपर्याप्त है ।

सभी छात्रावासों में पेयजल व्यवस्था है 4 छात्रावासों में पेयजल व्यवस्था को संतोषजनक तथा शेष 4 छात्रावासों में अच्छी पेयजल व्यवस्था होना बताया है ।

7.3.9 सर्वेक्षित विद्यार्थियों प्रसाधन सुविधा के संबंध विचार

सारणी क्र. 7.3.9

क्र.	आश्रम शाला का नाम	प्रदत्त सुविधाएं एवं उनके प्रति सर्वेक्षित विद्यार्थियों का विचार								
		स्नानागार			शौचालय			मूत्रालय		
		संतोषजनक	अच्छा	योग	संतोषजनक	अच्छा	योग	संतोषजनक	अच्छा	योग
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
अ	बालक आश्रम शाला									
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	6	14	14	–	14	14	–	14	14
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	2	14	20	2	18	20	4	16	20
3.	लाम कन्हार/ अंतागढ़	10	18	20	2	18	20	–	–	20
4.	कनलेश्वरपुर/ मैनपाट	16	–	10	10	–	10	10	–	10
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	–	–	16	16	–	16	16	20	16
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	34	20	20	–	20	20	–	20	20
	उपयोग (1–6)	34	66	100	30	70	100	30	70	100
	प्रतिशत	34.00	66.00	100.00	30.00	70.00	100.00	30.00	70.00	100.00
ब	कन्या आश्रम शाला									
7.	सन्ना /बगीचा	10	–	10	10	–	10	10	–	10
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	10	–	10	10	–	10	10	–	10
	उपयोग (7–8)	20	–	20	20	–	20	20	–	20
	प्रतिशत	20.00		100.00	100.00	–	100.00	100.00	–	100.00
	महायोग	54	66	120	50	70	120	50	70	120
	प्रतिशत	45.00	55.00	100.00	41.66	58.34	100.00	41.67	58.33	100.00

छात्रावासों में स्नानागार एवं शौचालयों की स्थिति अच्छी नहीं है, 45 प्रतिशत छात्र /छात्राओं ने स्नानागार व्यवस्था को संतोषजनक तथा 55 प्रतिशत ने अच्छा बताया है ।

Scanned with CamScanner

41.66 प्रतिशत छात्र /छात्राओं ने शौचालय व्यवस्था को संतोषप्रद तथा 58.34 प्रतिशत ने अच्छा बताया है , दोनो कन्या छात्रावासों की छात्राओं के व्यवस्था को मात्र संतोषजनक बताया है किसी ने इस व्यवस्था को अच्छा नही कहा है ।

कन्या छात्रावासों में मूत्रालया की अच्छी व्यवस्था नही है बालक छात्रावास करपावण्ड़, कमलेश्वरपुर, शिवप्रसादनगर में भी मूत्रालयों की संख्या कम है 41.67 प्रतिशत छात्र/छात्राओ ने मूत्रालय व्यवस्था को संतोषप्रद तथा 58.33 प्रतिशत ने अच्छा बताया है।

7.3.10 सर्वेक्षित विद्यार्थियों खेल सामग्री एवं खेल मैदान के संबंध विचार

सारणी क्र. 7.3.10

क्र.	आश्रम शाला का नाम	प्रदत्त सुविधाएं एवं उनके प्रति सर्वेक्षित विद्यार्थियों का विचार						
		खेल सामग्री			खेल मैदान			
		संतोष जनक	अच्छा	योग	संतोष जनक	अच्छा	अनु.	योग
1	2	3	4	6	7	8	10	
अ	बालक आश्रम शाला							
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	–	14	14	–	14	–	14
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	–	20	20	–	20	–	20
3.	लाम कन्हार/ अंतागढ़	–	20	20	–	20	–	20
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	3	7	10	–	–	10	10
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	9	7	16	–	–	16	16
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	–	20	20	–	20	–	20
	उपयोग (1–6)	12	88	100	–	74	26	100
	प्रतिशत	12.00	88.00	100.00	–	74.00	26.00	100.00
ब	कन्या आश्रम शाला							
7.	सन्ना /बगीचा	10	–	10	–	–	10	10
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	10	–	10	10	–	–	10
	उपयोग (7–8)	20	–	20	10	–	10	20
	प्रतिशत	–	–	100.00	10.00	–	10.00	100.00
	महायोग	32	88	120	10	74	36	120
	प्रतिशत	26.66	73.34	100.00	8.33	61.67	30.00	100.00

टीप :–(आश्रम शाला ,कमलेश्वरपुर ,मैनपाट ,सन्ना ,बगीचा , शिवप्रसादनगर (बंजा), भैयाथान में खेल मैदान अनुपलब्ध है अतएव विद्यार्थी गांव के खेल मैदान में खेलते है)

Scanned with CamScanner

26.66 प्रतिशत छात्र /छात्राओं ने खेल सामग्री की उपलब्धताओं को संतोषप्रद तथा 73.34 प्रतिशत ने अच्छा बताया है । कन्या छात्रावास की बालिकाओं ने खेल सामग्री उपलब्धता को अच्छा होना नही बताया है, इसे मात्र संतोषजनक कहा है ।

7.3.11 सर्वेक्षित विद्यार्थियों में शिक्षक –छात्रों के पारस्परिक संबंध एवं छात्रावास अधीक्षक विद्यार्थियों का संबंध विचार

सारणी क्र. 7.3.11

क्र.	आश्रम शाला का नाम	प्रदत्त सुविधाएं एवं उनके प्रति सर्वेक्षित विद्यार्थियों का विचार					
		शिक्षक –छात्रों का पारस्परिक सम्बद्ध			छात्रावास अधीक्षक विद्यार्थियों का संबंध		
		संतोष जनक	अच्छा	योग	संतोष जनक	अच्छा	योग
1	2	3	4	6	7	8	9
अ	बालक आश्रम शाला						
1.	तरेगांव(जंगल)/बोड़ला	–	14	14	–	14	14
2.	करपावण्ड़ / बकावण्ड़	–	20	20	–	20	20
3.	लामकन्हार/ अंतागढ़	–	20	20	–	20	20
4.	कमलेश्वरपुर/ मैनपाट	–	10	10	–	10	10
5.	शिवप्रसादनगर (बंजा) /भैयाथान	7	9	16	4	12	16
6	छोटे मुड़पार/खरसियां	–	20	20	–	20	20
उपयोग (1–6)		7	93	100	4	96	100
	प्रतिशत	7.00	93.00	100.00	4.00	96.00	100.00
ब	कन्या आश्रम शाला						
7.	सन्ना /बगीचा	–	10	10	–	10	10
8.	कटेकल्याण/कटेकल्याण	–	10	10	–	10	10
	उपयोग (7–8)		20	20	–	20	20
	प्रतिशत		100.00	100	–	100.00	100.00
	महायोग	7	113	120	4	116	120
	प्रतिशत	5.83	94.17	100.00	3.33	96.67	100.00

94.17 प्रतिशत विद्यार्थियों ने छात्र –शिक्षक सम्बन्धों को अच्छा तथा 5.83 प्रतिशत ने संतोषजनक बताया है किसी विद्यार्थी ने छात्र–शिक्षक संबंध खराब होना नही बताया है।

Scanned with CamScanner

96.67 प्रतिशत छात्र–छात्राओं ने छात्रावास अधीक्षक एवं छात्रों के संबंध अच्छा होना तथा 3.44 प्रतिशत ने संतोषप्रद संबंध होना बताया है।

Scanned with CamScanner

7.4 मूल्यांकित एकलव्य आदर्श विद्यालयों से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण अवलोकित तथ्य :–

7.4.1 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (लामकन्हार) विकासखण्ड़–अंतागढ़ जिला – कांकेर

विकासखण्ड़ – अंतागढ़ जिला कांकेर से 7 कि.मी. दूरी पर ग्राम – लामकन्हार एकलव्य आदर्श आवसीय विद्यालय अवस्थित है । एकलव्य विद्यालय अंतागढ़ – भानुप्रतापपुर मुख्य मार्ग पर स्थित है, विद्यालय एवं छात्रावास को समतल मैदान पर निर्मित किया गया है । आश्रम शाला के सामने खेल मैदान एवं गांव बसा हुआ है पीछे की ओर जंगल है, आश्रम शाला का पूर्ण रूप से निर्माण हो चुका है, पूर्व में एकलव्य आ.आ.वि. दूसरे स्थान विकासखण्ड़ – कोयलीबेड़ा (कांकेर) में 05.09.2005 से पूर्व मा. के रूप में प्रारम्भ हुआ है वर्ष 2009–10 में ग्राम लामकन्हार अंतागढ़ में स्थानांतरित किया गया है ।

आश्रम शाला भवन :–

आश्रम शाला भवन पूर्ण रूप से निर्मित है। आश्रम में अध्यापन कक्षा प्राचार्य कक्ष, स्टाफ, प्रसाधन कक्ष निर्मित है, आश्रम शाला भवन की पोताई डिस्टेपल सफेद रंग से किया गया है, अध्यापन कक्ष में कुर्सीटेबल, पंखा ट्युबलाईट लगा है स्टाफ रूप में शिक्षकों के बैठने के लिए कुर्सी टेबल एवं आलमारी में किताबें एवं रजिस्टर रखी है । प्राचार्य कक्ष में टेबल, ट्यूबलाईट, पंखा लगा है। आश्रम शाला में दो गलियारा है प्रयोग कक्ष में प्रायोगिक सामग्री रखा गया है विद्यालय के दरवाजे व खिड़की लकड़ी से बनाया गया है ।

छात्रावास भवन :–

छात्रावास भवन की दिवालों का सफेद रंग से पोता गया है भवन में शयन कक्ष, भोजन कक्ष, स्टोर कक्ष रसोई कक्ष , प्रसाधन कक्ष, निर्मित है, दरवाजा व खिडकी लकड़ी से बनाया गया है।

Scanned with CamScanner

पेयजल व्यवस्था :–

छात्रावास में पेयजल व्यवस्था के रूप में आश्रम परिसर में हैण्डपम्प एवं ट्यूबवेल की सुविधा है चुकि गर्मी के दिनों में पानी का स्रोत नीचे होने के कारण समस्या थोड़ी होती है।

भोजन व्यवस्था :–

छात्रावास में मेन्यू के आधार पर छात्रों को हर रोज भोजन दिया जाता है एवं सुबह शाम के नाश्ता में अण्ड़ा, दुध फल दिया जाता है सप्ताह में एक बार विशेष भोजन के रूप में पनीर दिया जाता है, अधीक्षक द्वारा हरी सब्जी साप्ताहिक बाजार से लाया जाता है ।

ओढ़ने बिछाने की सामग्री :–

छात्रावास में बिस्तर लोहे की है , चादर की संख्या पर्याप्त मात्रा में है गद्दे तकिया रूई वाले है तथा पर्याप्त मात्रा में मच्छर दानी उपलब्ध है ।

खेल मैदानः–

आश्रम परिसर से लगा हुआ खेल मैदान है, खेल मैदान समतल है, जहॉ छात्र किकेट, बालीवाल , फुटबाल खेलते हैं छात्रों का आश्रम शाला की ओर से खेल सामग्री दिया जाता है पी.टी.ई शिक्षक द्वारा छात्रों को सुबह शाम खेल खेलाते हैं, एवं व्यायम , योगा सीखाया जाता है । ग्राम – लामकन्हार, विकासखण्ड़ – अंतागढ़ (कांकेर) में 01.07.06 में प्राथमिक शाला आंरभ की गई एवं जुलाई 2007 में पूर्व माध्यमिक शाला आंरभ हुई । कालान्तर में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय अंतागढ़ (जो पूर्व में विकासखण्ड़ –कोयलीबेड़ा, कांकेर में संचालित था) स्थानांतरित होकर लामकन्हार में स्थापित हुई ।

उक्त ग्राम– लामकन्हार जनजातीय शिक्षा को प्रोत्साहित करने हेतु विशेष शासकीय प्रयास किए जा रहे हैं। सर्व शिक्षा आभियान/साक्षर भारत अभियान सहित समस्त शासकीय योजनाएँ क्रियान्वित की जा रही है।

Scanned with CamScanner

7.4.2 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय तरेगांव (जंगल) विकासखण्ड़–बोड़ला जिला – कबीरधाम

विकासखण्ड़ बोड़ला से लगभग 30 कि.मी. की दूरी पर एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय तरेगांव (जं.) स्थित है, आश्रम शाला जंगलों, पहाड़ों के बीच एक समतलीय पथरीला मैदान में आश्रम शाला एवं छात्रावास भवन निर्मित है । विद्यालय एवं छात्रावास का निर्माण पूर्ण हो चुका है ।आश्रम शाला 2005 –06 शिक्षण सत्र से संचालित है ।

आश्रम शाला भवन :–

छात्रावास भवन से 100 मी. की दूरी पर आश्रम विद्यालय बनाया गया है दीवाल सफेद डिस्टेम्पल से पोताई की गई है, शाला भवन में शिक्षकों के लिए स्टाफ रूम, अध्यापन कक्ष, प्राचार्य कक्ष, प्रसाधन कक्ष निर्मित है, विद्यालय में पुस्तकालय एवं कम्प्युटर कक्ष भी उपलब्ध है, पुस्तकायल में विषय से सम्बधित पुस्तकें रखी गई है एवं कम्प्यूटर लैब है जिसमें विद्यार्थी तकनीकी शिक्षा ग्रहण करते हैं। शाला भवन के अंदर सुन्दर आंगन में सौन्दर्यीकरण किया गया है, भवन के कक्षों में सरस्वती मॉ का चित्र एवं प्रेरक वचन लिखा गया है खिड़की व दरवाजा लकड़ी एवं लोहे का उपयोग किया गया है।

छात्रावास भवन :–

छात्रावास भवन का दिवाल हल्की पीली (डिस्टेम्पल) पोताई की गई है , छात्रावास के शयन कक्षों में बिस्तर लोहे एवं बिस्तर के ऊपर बुच एवं रूई वाले गद्दे चादर दिया गया है, सोने के समय सभी छात्र मच्छरदानी का उपयोग करते हैं।

छात्रावास के बरामदा में विद्याार्थियों के विषय से सम्बधित जानकारी लिए Hole -in - The Wall Laering station लगा हुआ है एवं छात्रों के पानी पीने के लिए वाटर कूलर रखा है, गैलेरी के दिवालों में छात्रावास से सम्बधित नियमावली, समय–सारणी, मध्यान भोजन दैनिक भोजन का मेन्यु लिखा हुआ है ।

छात्रावास परिसर में वृक्षारोपण व किचन गार्डन के रूप में कुछ साग सब्जी उगाया गया है भवन के अन्दर शयन कक्ष, स्टोर कक्ष, भोजन कक्ष, रसोई कक्ष एवं प्रसाधन कक्ष निर्मित है । स्टोर कक्ष में छात्रावास से सम्बंधित समान रखा गया है, भोजन कक्ष एवं रसोई

Scanned with CamScanner

कक्ष एक साथ जुडे हुए हैं एक बड़ा हाल जिसमें भोजन करते हैं, रसोई कक्ष में ईंधन के रूप में जलाऊ लकड़ी का उपयोग कर भोजन तैयार किया जाता है ।

छात्रावास परिसर के सामने विद्यार्थी के खेलने के लिए गार्डन बनाया गया है जिसमें फूल पौधे एवं झुला लगाया गया है, गार्डन के पास प्राचार्य कक्ष एवं छात्रावास कक्ष है।

छात्रावास में अधिकाशतः गोड़, कंवर एवं कुछ बैगा जनजाति के छात्र भी रहते हैं तथा शयन कक्षों में पखा एवं ट्यूबलाईट अध्ययन के लिए टेबल /कुर्सी भी उपलब्ध है समान रखने के लिए पेटी एवं आलमारी भी उपलब्ध है।

पेयजल व्यवस्था :–

छात्रावास मे पेयजल व्यवस्था के रूप में आश्रम परिसर में हेण्डपम्प एवं ट्यूबवेल की सुविधा है।

भोजन व्यवस्था :–

छात्रावास मे मेन्यु के आधार पर छात्रों को हर रोज भोजन दिया जाता है एवं सुबह शाम का नाश्ता दिया जाता है, सप्ताह में एक बार विशेष भोजन दिया जाता है ।

ओढ़ने बिछाने की सामग्री :–

छात्रावास में बिस्तर लोहे की है चादर की संख्या पर्याप्त मात्रा में है, गद्दे तकिया रूई वाले हैं तथा सभी बिस्तर के लिए मच्छरदानी उपलब्ध है।

खेल मैदान :–

आश्रम परिसर से लगा खेल मैदान है,खेल मैदान समतल है, जहॉ छात्र क्रिकेट, बालीबॉल, फूटबाल खेलते हैं, छात्रो को आश्रम शाला की ओर से खेल सामग्री दिया जाता है पी.टी.आई.द्वारा सुबह –शाम खेल खेलातें हैं, एवं व्यायाम, योगा सीखाया जाता है ।

Scanned with CamScanner

7.4.3 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (छोटे मुड़पार) विकासखण्ड़ – खरसियां जिला –रायगढ़

विकासखण्ड़ खरसियां से लगभग 7 कि.मी. की दूरी पर एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय छोटे मुड़पार स्थित है। समतल भाग में आश्रम शाला एवं छात्रावास भवन को निर्मित किया गया है भवन पूर्ण रूप से निर्मित हो चुका है, आश्रम शाला वर्ष 2005–06 शिक्षण सत्र से संचालित है ।

आश्रम शाला भवन :–

आश्रम शाला भवन पूर्ण रूप से निर्मित है आश्रम शाला भवन में अध्यापन कक्षा प्राचार्य कक्ष, स्टाफ कक्ष, प्रसाधन कक्ष निर्मित है, भवन की पोताई डिस्टेम्पल सफेद रंग से किया गया है, अध्यापन कक्षों में पर्याप्त मात्रा में कुर्सी टेबल की कमी है, कुछ कक्षों में जमीन में दरी बिछाकर बैठते है। कक्षों में पंखा एवं ट्यूबलाईट लगाये गये हैं प्रयोग कक्षा में प्रयोग सामग्री पर्याप्त मात्रा में नही है। आश्रम शाला भवन का गेट लोहे का बनाया गया है । खिड़की एवं दरवाजे लकड़ी का बनाया गया है।

छात्रावास भवनः–

छात्रावास भवन को डबल मंजिल बनाया गया है भवन दिवालों को सफेद डिस्टेम्पल से पोताई की गई है भवन में शयन कक्ष, भोजन कक्ष, स्टोर कक्ष, रसोई कक्ष, प्रसाधन कक्ष निर्मित है दरवाजा व खिड़की लकड़ी से बनाया गया है ,आश्रम शाला का मुख्य दरवाजा चैनल गेट लोहे का लगाया गया है।

पेयजल :–

आश्रम शाला में पेयजल व्यवस्था के रूप में आश्रम परिसर में हेण्ड़पम्प एवं ट्यूबवेल की सुविधा है ।

भोजन व्यवस्थाः–

छात्रावास के मेन्यु के आधार पर छात्रों को हर रोज भोजन दिया जाता है, एवं सुबह के नाश्ता में अण्डा, दूध फल दिया जाता है। सप्ताह में एक बार विशेष भोजन के रूप में पुड़ी पनीर , खीर दिया जाता है।

Scanned with CamScanner

ओढ़ने बिछाने की सामग्री :–

छात्रावास में बिस्तर लोहे की है चादर, गद्दे रूई वाले तथा मच्छरदानी उपलब्ध है।

विद्युत व्यवस्था :–

छात्रावास एवं विद्यालय भवन में विद्युत व्यवस्था है, लेकिन न्यून क्षमता विद्युत आपूर्ति वोल्टेज के कारण पर्याप्त मात्रा में विद्युत व्यवस्था नही मिलता है ।

खेल मैदान :–

आश्रम शाला परिसर से लगा खेल मैदान है, समतलीकरण नही होने के कारण खेलने में असुविधा होती है कुछ स्थान को समतल करके छात्रों को क्रिकेट एवं फुटबाल खेलने योग्य बनाया गया है पी.टी.आई शिक्षक द्वारा छात्रों को खेलने में पूरी सहभागिता दी जाती है ।

Scanned with CamScanner

7.4.4 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (करपावण्ड़) विकासखण्ड – बकावण्ड़ जिला–बस्तर (छ.ग.)

विकासखण्ड़ –बकावण्ड़ से लगभग 12 कि.मी. की दूरी पर एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (करपावण्ड) विकासखण्ड़ –बकावण्ड़ स्थित है, पथरीला एवं मैदानी भाग में आश्रम शाला एवं छात्रावास भवन निर्मित किया गया है, भवन पूर्ण रूप से निर्मित हो चुका है, आश्रमशाला 2005 –06 शिक्षण सत्र से संचालित है ।

आश्रम शाला भवन :–

आश्रम शाला भवन पूर्ण रूप से निर्मित है, आश्रम शाला भवन में अध्यापन कक्ष, प्राचार्य कक्ष, स्टाफ कक्ष, प्रसाधन कक्ष निर्मित है, भवन की पोताई सफेद रंग से किया गया है अध्यापन कक्ष में कुर्सी, टेबल, पंखा, ट्यूबलाईट लगा है स्टाफ रूम में शिक्षकों के बैठने के लिए कुर्सी टेबल एवं अलमारी में किताबें रखी हैं, आश्रम शाला में दो गलियारा है, प्रवेशद्वार के सामने आंगन है जिसमें वृक्षारोपण द्वारा फूल पौधे लगा हुआ है, प्रयोगकक्ष में प्रायोगिक सामग्री रखा गया है विद्यालय के दरवाजे व खिड़की लकड़ी का बनाया गया एवं सामने चैनल गेट लोहे का लगाया गया है।

छात्रावास भवन :–

छात्रावास भवन की दिवालों को सफेद डिस्टेम्पल पोताई की गई है, भवन में शयन कक्ष , भोजन कक्ष , स्टोर कक्ष, रसोई कक्ष, प्रसाधन कक्ष निर्मित है, दरवाजा व खिड़की लकड़ी से बनाया गया है . चैनल गेट सामने का लोहे का लगाया गया है ।

पेयजल व्यवस्था :–

छात्रावास में पेयजल व्यवस्था के रूप में आश्रम परिसर में हेड़पम्प एवं ट्यूबवेल की सुविधा है।

भोजन व्यवस्था :–

छात्रावास में मेनू के आधार पर छात्रों को हर रोज भोजन दिया जाता है एवं सुबह शाम का नाश्ता में अण्डा , दूध फल दिया जाता है ,सप्ताह में एक बार विशेष भोजन के रूप में पनीर /पुड़ी , हलवा खीर दिया जाता है ।

Scanned with CamScanner

ओढ़ने बिछाने की सामग्री :–

छात्रावास में बिस्तर लोहे की है चादर की संख्या पर्याप्त मात्रा है, गद्दे तकिया रूई वाले है तथा सभी बिस्तर के लिए मच्छरदानी उपलब्ध है।

विद्युत व्यवस्था :–

छात्रावास परिसर में विद्युत /सौर ऊर्जा दोनों तरह के व्यवस्था किया गया है, वोल्टेज कमी होने के कारण सौर ऊर्जा का उपयोग किय जाता है।

खेल मैदान :–

आश्रम परिसर से लगा खेल मैदान है, खेल मैदान समतल है, जहॉ छात्र किकेट, बॉलीबाल फूटबाल खेलते हैं, छात्रो को आश्रम शाला की ओर से खेल सामग्री दिया जाता है पी.टी.आई. को सुबह –शाम खेल खेलाये जाते हैं ,एवं व्यायाम, योगा सीखाया जाता है ।

Scanned with CamScanner

7.4.5 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कटेकल्याण विकासखण्ड़ –कटेकल्याण जिला – दंतेवाड़ा

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कन्या शिक्षा परिसर कटेकल्याण की स्थापना वर्ष 2005 –06 में की गयी है। यह विद्यालय जिला मुख्यालय दन्तेवाड़ा से 40 कि.मी. दूर आदिवासी बाहुल्य बिहड़ वनांचल तथा धूर नक्सल प्रभावित क्षेत्र में संचालित है । इस विद्यालय की निर्माणाधीन भवन विगत 5–6 वर्षा से नक्सली वारदात एवं भवन गिरा दिये जाने के फलस्वरूप निर्माण कार्य बंद है ।

विद्यालय कटेकल्याण संचालन हेतु वैकल्पिक व्यवस्था के तहत शा.क.उ.मा. विद्यालय कटेकल्याण तथा चार –पॉच कमरे का अतिरिक्त भवन तैयार कर संचालित की जा रही है । इस ग्राम –परचेली में सर्वप्रथम वर्ष 1959 में प्राथ. शाला वर्ष 1964 में पूर्व मा. शाला तथा वर्ष 1995 में हाई स्कूल की स्थापना की गई है । शैक्षणिक एवं साक्षरता की दृष्टि से काफी पिछड़ा हुआ है ।

Scanned with CamScanner

7.4.6 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (कमलेश्वरपुर)विकासखण्ड़ – मैनपाट जिला –सरगुजा

वन अंचल पहाड़ों के बीच सरगुजा जिले का विख्यात स्थल अवस्थित है यहॉ की जलवायु अत्यन्त ठंडी है मैनपाट प्राकृतिक सौंदर्य का विंहगम एवं मनोरम है तिब्बति शरणार्थी केम्प अनुसार बसी हुआ है। मुख्य आकर्षण व दर्शनीय स्थल है , यहां बौद्ध मंदिर आवास शिल्प देखने योग्य है , मैनपाट शीत ऋतु में पाट का तापमान 0̇ c से नीचें हो जाता है तथा क्षेत्र में बर्फ की चादर सी बिछ जाती है जो पर्यटकों को आकर्षित करती है मैनपाट का मुख्यालय नर्मदापुर है ।

जिला सरगुजा अम्बिकापुर से 45 कि.मी. की दूरी पर (कमलेश्वरपुर) मैनपाट स्थित है, कमलेश्वरपुर ग्रामीण हाट से 5 कि.मी. की दूरी पर एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय स्थित है यह वनों, पहाडों के ऊपर मैदानी क्षेत्र में बसा है , पहुच मार्ग कच्चा (मूरूम गिट्टी) का बना है। सर्वेक्षण माह में आश्रम शाला निर्माणाधीन है, छात्रों को निर्माणाधीन भवन में वैकल्पिक व्यवस्था के तहत रखा गया है ।

7.4.7 एकलव्य आदर्श आवासीय विघालय–सन्ना विकासखण्ड़ बगीचा जिला–जशपुर

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय कन्या शिक्षा परिसर की स्थापना वर्ष 2005–06 में की गयी है यह विद्यालय जिला मुख्यालय से 55 कि.मी. दूरी स्थित है । भवन निर्माणाधीन भवन में ही छात्राओं को रखी गई है एवं अध्ययन अध्यापन का कार्य किया जाता है ।

Scanned with CamScanner

7.4.8 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शिवप्रसाद नगर (बंजा) विकासखण्ड–भैयाथान जिला–सरगुजा

जिला–मुख्यालय अम्बिकापुर से लगभग 40 कि.मी. की दूरी पर शिवप्रसाद नगर (बंजा) ग्राम में बसा हुआ है आश्रम शाला रेलवे स्टेशन से लगा हुआ है निर्माणाधीन आश्रम शाला बंजा में स्थित है । एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय निर्माणाधीन है इसलिए छात्रों के अध्यापन एवं रहने के लिए वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में ग्राम के ही हायर सेकेण्डरी स्कूल में एकलव्य विद्यालय का संचालान किया जा रहा है । हायर सेकेण्ड़री स्कूल के एक ओर एकलव्य विद्यालय लगाया जाता है और दूसीर ओर छात्रों के रहने के लिए छात्रावास बनाया है।

हायर सेकण्डरी में एकलव्य विद्यालय सुबह की पाली में लगता है आश्रम शाला में 2–3 कमरों में शिक्षकों द्वारा अध्यापन कार्य किया जाता है, प्राचार्य स्टाफ रूम 1 कमरे में है आश्रम शाला में सभी सूविधा वैकल्पिक व्यवस्था के तहत किया गया है ।

हायर सेकेण्डरी विद्यालय, भवन की दूसरी ओर छात्रावास है छात्रावास में पेयजल व्यवस्था, भोजन कक्ष व्यवस्था की गई है छात्रावास में प्राप्त होने वाली सुविधाएँ अच्छी तरह छात्रों को मिल रहा है सुबह नाश्ता, दैनिक छात्रों के शयन कक्ष में बिस्तर, चादर, तकिया, मच्छरदानी की सुविधा है विद्यालय परिसर में खेल मैदान एवं पेयजल व्यवस्था है, ग्राम शिवप्रसाद नगर (बंजा) से लगभग 3 कि.मी. दूरी पर एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का निर्माण किया जा रहा है छात्रावास शिक्षक आवासगृह निर्माणाधीन है निर्माणाधीन एकलव्य आदर्श विद्यालय खेल मैदान एवं वृक्षारोपण के लिए कांटेदार तार से बाउड्रीवॉल कर वृक्षारोपण कर रहे हैं।

Scanned with CamScanner

अध्याय – आठ

निष्कर्ष

शिक्षा जनजातियों के विकास की कुंजी है, आदिम जनजातियों में शिक्षा के प्रसार के लिये अनेक प्रयास किये गये हैं, वर्ष 1961 की जनगणनानुसार 5.1 प्रतिशत अनुसूचित जनजाति के लोग साक्षर थे वर्ष 2001 की जनगणनानुसार अनुसूचित जनजातियों की साक्षरता दर 52.06 प्रतिशत हो गई है। यह राज्य की कुल साक्षरता दर 64.47 प्रतिशत से मात्र 12.41 प्रतिशत कम है ।

अनुसूचित जनजातियों में शिक्षा के प्रसार के साथ – साथ शैक्षणिक गुणवत्ता में अभिवृद्धि करने तथा दुर्गम क्षेत्र के कमजोर आर्थिक स्थिति वाले छात्र/छात्राओं को शिक्षा का उचित अवसर प्रदान करने राज्य में आश्रम शालाओं की स्थापना की गई है भारत सरकार ने भी राज्य के जनजातीय क्षेत्रों में आश्रम शालाओं की स्थापना को सैद्धांतिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है, राज्य में सैकड़ों प्राथमिक/माध्यमिक शालाओं का आश्रम शालाओं में परिवर्तन किया गया है ।

प्रस्तुत अध्ययन केवल संविधान के अनुच्छेद 275 (1) के अन्तर्गत निर्मित आश्रम शालाओं (एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय) से संबंधित है मूल्यांकित 8 आदर्श आवासीय विद्यालयों में से 6 आश्रम शालाएँ छात्रों के लिये तथा 2 आश्रम शालाएँ छात्राओं के लिये है इसका विवरण निम्नानुसार है:–

क्र.	आश्रम शाला का नाम	विकासखण्ड	जिला	आश्रम भवन निर्माण की स्थिति
1	2	3	4	5
(अ.)	बालक आश्रम शाला			
1.	एकलव्य आ.वि तरेगांव (जंगल)	बोड़ला	कबीरधाम	पूर्ण
2.	एकलव्य आ.वि करपावण्ड़	बकावण्ड़	बस्तर	पूर्ण
3.	एकलव्य आ. वि. लामकन्हार	अंतागढ़	कांकेर	पूर्ण
4.	एकलव्य आ.वि कमलेश्वरपुर	मैनपाट	सरगुजा	अपूर्ण
5.	एकलव्य आ.वि शिवप्रसाद नगर (बंजा)	भैयाथान	सरगुजा	अपूर्ण
6.	एकलव्य आ.वि छोटेमुड़पार	खरसियां	रायगढ़	पूर्ण
(ब)	कन्या आश्रम शाला			
7.	एकलव्य आ. वि. सन्ना	बगीचा	जशपुर	अपूर्ण
8.	एकलव्य आ. वि. कटेकल्याण	कटेकल्याण	दंतेवाड़ा	अपूर्ण

Scanned with CamScanner

टीप :–

अपूर्ण/निर्माणाधीन आवासीय विद्यालयों में पूर्व से संचालित विद्यालय भवन एवं छात्रावास भवन का उपयोग किया जा रहा है ।

उपर्युक्त मूल्यांकित सभी 8 आश्रम शालाएँ की स्थापना वर्ष 2005–06 में की गई है, प्रत्येक आश्रम शाला के लिए 420 के मान कुल 3360 स्वीकृत सीट है, वर्तमान में 2308 सीट्स (68.69 प्रतिशत) भरे हए हैं।

प्रस्तुत अध्ययन का प्रमुख उद्देश्य, आश्रम शाला एवं विद्यार्थियों को प्रदत्त सुविधाओ का मूल्यांकन अध्ययन है। आश्रम शाला विद्यालय में उपलब्ध सुविधा यथा शाला भवन अध्यापकों तथा स्टाफ के लिए उपलब्ध कक्ष , प्रसाधन कक्ष , विद्युतीकरण ,पेयजल आदि सुविधांए उपलब्ध करायी गई है ।

सभी आश्रम शालाओं में प्राचार्य कक्ष एवं स्टाफ रूम की व्यवस्था है , अध्यापन कक्षों की संख्या 60 है , व लिपिक कक्ष की संख्या 4 है, निर्माणाधीन भवनों में पूर्ण होने पर अध्यापन कक्षा एवं लिपिक कक्षों की संख्या में वृद्धि हो जावेगी ।

8 आश्रम शालाओं में 18 प्रयोगशाला कक्ष है एवं 8 वाचनालय कक्ष व 10 स्टोर कक्षा है। आश्रम शालाओं में प्रसाधन कक्ष जिसमें शौचालय कक्ष की संख्या 150 व मूत्रालय कक्ष की संख्या 144 है । वर्तमान में शौचालयों से मूत्रालय की संख्या कम है ।

8 आश्रम शालाओं भवन में पेयजल व्यवस्था अंतर्गत 2 आश्रम शाला में हेण्ड़पम्प से पेयजल व्यवस्था है, जबकि 6 आश्रम शाला में ट्यूबवेल (बोर) से पेयजल की व्यवस्था है।

करपावण्ड़ आश्रम शाला में इलेक्ट्रानिक विद्युत एवं सौर उर्जा से विद्युत प्राप्त किया जाता है । शेष 7 आश्रम शालाओं में इलेक्ट्रानिक विद्युत से विद्युत प्राप्त किया जाता है । कोई भी आश्रम शाला अविद्युतीकृत नही है।

सभी छात्रावास भवन में रसोई कक्ष है तथा रसोई कक्ष में भोजन पकाने के लिए पर्याप्त स्थान उपलब्ध है छात्रावास में भोजन पकाने में उपयुक्त ईंधन के रूप में आश्रम शााला छोटे मुड़पार (खरसियां) में भोजन पकाने /तैयार करने के लिए L.P.G. गैस का ईंधन के रूप में उपयोग किया जाता है शेष सभी 7 आश्रम शालाओं में ईंधन के लिए पारम्परिक रूप

Scanned with CamScanner

से जलाऊ लकड़ी का उपयोग होता है , सभी आश्रम शाला में भोजन कक्ष में लिए पर्याप्त स्थान है।

छात्रावासों में दर्ज संख्या (वर्ष 2010 –11) 2308 के विरूद्ध 160 शयन कक्ष है अर्थात औसतन 14.4 विद्यार्थियों के लिए एक शयन कक्ष है। छात्रावास में शयन कक्षों में बिस्तर की संख्या दर्ज संख्या के मान से पर्याप्त नही है, 2308 छात्र–छात्रओं के लिये 1557 बिस्तर की व्यवस्था है अर्थात प्रति बिस्तर छात्र/छात्राओं की संख्या 1.4 है।

मूल्यांकित छात्रावासों में बिस्तरों की संख्या 1557 है किन्तु इन बिस्तरों के लिये 1499 गद्दे तथा 1283 /तकिये है। सभी छात्रावासों में गद्दे /तकियों की संख्या आवश्यकता से कम है दर्ज संख्या के मान से (35.05 प्रतिशत) गद्दे तथा 44.41 प्रतिशत तकियों की कमी है।

छात्रावास में थाली/गिलासों की संख्या दर्ज संख्या के मान से पर्याप्त नही है। सभी छात्रावास में थाली की संख्या 1557 है एवं गिलास की संख्या 1299 है, अर्थात छात्रावासों में थाली /गिलास की संख्या आवश्यकता से कम है , दर्ज संख्या के मान से (32. 53 प्रतिशत) थाली एवं (43.17 प्रतिशत) गिलासों की कमी है । सभी छात्रावास में स्टोर कक्षों की संख्या 13 है जो कि स्टोर /भंड़ारण के लिये अपर्याप्त है, कम से कम 5 अतिरिक्त स्टोर /भंडारण कक्ष की आवश्यकता है ।

आश्रम छात्रावास परिसर में शिक्षक /अशिक्षकीय निवास गृह के अन्तर्गत तरेगांव, करपावण्ड़, लामकन्हार एवं छोटेमुड़पार आश्रम /छात्रावास परिसर में 4 प्रचार्य कक्ष 22 शिक्षक आवास गृह तथा 14 कर्मचारी आवास गृह है । वही कमलेश्वरपुर , शिवप्रसाद नगर (बंजा), सन्ना, कटेकल्याण में प्राचार्य कक्ष, शिक्षक आवासगृह तथा कर्मचारी आवासगृह निर्माणाधीन है।

छात्रावास भवन में उपलब्ध प्रसाधन कक्षों की संख्या के अन्तर्गत निर्माणाधीन आश्रम /छात्रावास भवन कमलेश्वरपुर, शिवप्रसाद नगर, सन्ना एवं कटेकल्याण में शौचालय, मूत्रालय एवं स्नानागारों की संख्या वर्तमान में बहुत कम है, शेष 4 छात्रावासों में पर्याप्त संख्या में प्रसाधन कक्ष उपलब्ध है। दर्ज संख्या वर्ष (2010–11) के विरूद्ध शौचालय कक्ष 221 एवं मूत्रालय कक्ष 165 तथा स्नानागार 213 है ।

Scanned with CamScanner

8 छात्रावासों में 2 छात्रावास मैनपाट , शिवप्रसाद नगर में हैण्डपम्प से पेयजल की व्यवस्था की जाती है , एवं 6 छात्रावास में टयूबवेल (बोर) से पेयजल की व्यवस्था किया गया है । सभी छात्रावास परिसर विद्युतकृत है करपावण्ड़ छात्रावास में विद्युत एवं सौर ऊर्जा से विद्युतीकृत है तथा शेष 7 छात्रावास परिसर इलेक्ट्रानिक विद्युत से विद्युतीकृत है ।

छात्रावास में चादर /कम्बलों /मच्छरदानी की सुविधा के अन्तर्गत दर्ज संख्या के मान से 4 छात्रावास में चादरों की संख्या पर्याप्त है तथा 4 छात्रावासों में चादरों की कमी है छात्रावासों में चादरों की संख्या 2191 है जो दर्ज सख्या से (5.06 प्रतिशत) कम है । यदि प्रति विद्यार्थी 2 चादरे उपलब्ध करायी जाती है तो यह कमी बहुत अधिक होगी ।

चादरों की तरह छात्रावासों में कम्बलों की संख्या भी अपर्याप्त है किसी भी छात्रावास में पर्याप्त संख्या में कम्बल नही है । छात्रावास में कम्बल की संख्या 1601 है एवं मच्छरदानी की संख्या 1897 है यह अप्रिय स्थिति विस्मयजनक है ।

आश्रम शाला के लिए शिक्षकीय एवं गैर शिक्षकीय स्वीकृत रिक्त पद के अन्तर्गत सभी आश्रम शालाओं में प्राचार्य के 8 पद तथा उपप्राचार्य के 8 पद स्वीकृत है, स्वीकृत पद के विरूद्ध 8 प्राचार्य पद तथा 5 उपप्राचार्य पद रिक्त है, इन 16 पदों में केवल 3 उपप्राचार्य के पद पर पदस्थापना की गई है । शेष पदो पर प्रभारी कार्यरत है ।

सभी आश्रम–शाला में उच्च श्रेणी शिक्षकों (T.G.T) के 55 पद स्वीकृत है, इसमें 38 पद भरे गये है तथा 17 पद रिक्त है शेष 2 आश्रम–शाला में रिक्त पद के विरूद्ध वैकल्पिक व्यवस्था की गई है ।

आश्रम शालाओं में सहायक शिक्षक (P.G.T) शिक्षकों के 71 पद स्वीकृत है, इसमें से 48 पद भरे है एवं 23 पद रिक्त है। 8 आश्रम शालाओं में स्टाफ नर्स के 8 पद स्वीकृत है इसमें से 1 पद भरे हुए एवं 7 पद रिक्त है । आश्रम शालाओं में लिपिक के 18 पद स्वीकृत है इसमें से 4 पद भरे हुये तथा 14 पद रिक्त है । 8 आश्रम शालाओं में प्रयोगशाला सहायक के 11 पद स्वीकृत है,इसमें 6 पद भरे हुए एवं 5 पद रिक्त है। सभी आश्रम–शाला में भृत्य के 12 पद स्वीकृत है इसमें से 6 पद भरे हुए एवं 6 पद रिक्त है। इसी प्रकार चौकीदार के 14 पद स्वीकृत है , जिसमें से 8 पद भरे हुए एवं 6 पद रिक्त है। सभी आश्रम शाला में रसोईयां के 39 पद स्वीकृत है। इसमें से 23 पद भरे हुए एवं 16 पद रिक्त है ।

Scanned with CamScanner

आश्रम शाला में माली के 8 पद स्वीकृत है, जिसमें से सभी पद रिक्त है।

मूल्यांकित आश्रम शालाओं में वर्षवार दर्ज संख्या के अन्तर्गत पूर्व माध्यमिक कक्षाओं में वर्ष 2007–08 से 2008–09 एवं 2009–10 में 3049 तथा हाईस्कूल की कक्षा में वर्ष 2009 –10 में दर्ज संख्या 484 दिया गया है जिसमें वर्ष 2007–08 में आश्रम शाला में पूर्व माध्यमिक शालाओं में कक्षा छठवीं से आठवीं तक कुल दर्ज संख्या 880 थी इसमें से 38.86 प्रतिशत 6वीं में 34.66 प्रतिशत कक्षा 7वीं में , 26.48 प्रतिशत 8 वीं में दर्ज संख्या है ।

इसी प्रकार वर्ष 2008–09 में मिड़िल कक्षाओं में दर्ज कुल 1036 विद्यार्थियों से 43.34 प्रतिशत 6वीं में 28.87 प्रतिशत कक्षा सातवीं तथा 27.79 प्रतिशत कक्षा आठवीं में दर्ज है।

वर्ष 2009–10 में मिड़िल कक्षाओं में दर्ज 1133 विद्यार्थियों में से कक्षा छठवीं में 40.07 प्रतिशत , कक्षा 7 वीं में 35.57 प्रतिशत दर्ज संख्या थी,

वर्ष 2009–10 के हाई स्कूल के कक्षाओं में 484 विद्यार्थियों में से कक्षा नवमीं में 57. 24 प्रतिशत एवं 42.76 प्रतिशत कक्षा दसवीं में दर्ज संख्या थी

मूल्यांकित आश्रम शाला के कक्षा आठवीं (बोर्ड परीक्षा) का परीक्षा परिणाम के अन्तर्गत वर्ष 2009–10 में 98.50 प्रतिशत छात्र तथा 100 प्रतिशत छात्राएँ उत्तीर्ण हुए हैं 68.52 प्रतिशत छात्र तथा 68.42 प्रतिशत छात्राओं नें मिडिल बोर्ड परीक्षा प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण की है । वर्ष 2009–10 में छात्र–छात्राओं का गुणात्मक परीक्षा परिणाम श्रेष्ठ रहा है।

आश्रम शाला के कक्षा 10वीं बोर्ड परीक्षा का परिणाम 2009–10 में छात्र 100 प्रतिशत तथा (89.47 प्रतिशत) छात्राएं उत्तीर्ण है 36.00 प्रतिशत छात्र तथा 32.35 प्रतिशत छात्राओं ने हाई स्कूल परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की है।

सर्वेक्षित आश्रम शालाओं के विद्यार्थियों के वर्ष 2005 में कक्षा 6 वीं में दर्ज जनजाति विद्यार्थी के क्षति एवं अवरोध के अन्तर्गत बालकों कक्षा छठवीं में दर्ज संख्या से कक्षा 11वी में दर्ज संख्या में 39.9 प्रतिशत की कमी आयी है, बालिकाओं के कक्षा छठवीं में दर्ज संख्या से 11वीं में दर्ज संख्या में 32.1 प्रतिशत की कमी आयी है । छात्राओं की तुलना में छात्रों में 7.8 प्रतिशत अवरोध अधिक पाया गया है।

Scanned with CamScanner

सर्वेक्षित आश्रम शाला के शिक्षक, छात्रावास अधीक्षक विद्यार्थियों के दृष्टिकोण के अन्तर्गत आश्रम शालाओं में उपलब्ध सुविधाओं के संबंध में सकरात्मक व्यक्त किया है, छात्रों के मतानुसार आश्रम शाला में शैक्षणिक भ्रमण की सुविधा उपलब्ध करानी चाहिए तथा शासन द्वारा प्रदाय सभी सुविधाएं को शिक्षा सत्र में प्रारंभ होने के पूर्व उपलब्ध कराया जाए तथा सभी विषय में कक्षावार अतिरिक्त कोचिंग की व्यवस्था की जाए।

आश्रम शाला में छात्र /छात्राओं की सुरक्षा की दृष्टि से आश्रम शाला में बाउड़ीवाल बनाना चाहिए।छात्रावासों में चौकीदार के रिक्त पद शीघ्र भरे जाये विद्यालय में छात्रों की संख्या के अनुसार शारीरिक शिक्षक की नियुक्ति किया जाना चाहिए। साथ ही विभिन्न खेलों में NIS कोच द्वारा प्रतिवर्ष प्रशिक्षण शिविर लगाना चाहिए। जिससे राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी विद्यालय से तैयार हो सके। उच्च माध्यमिक स्तर पर कृषि विषय होना चाहिए एवं बच्चों को प्रतियोगता परीक्षाओं की तैयारी के लिये कोचिंग की व्यवस्था करनी चाहिए पुस्तकालय में प्रतियोगिता परीक्षा के लिए PET,PMT,PPT की पुस्तके उपलब्ध करनी चाहिए।

छात्रावास में बच्चे के पास अध्ययन हेतु टेबल/कुर्सी व निजी समान को सुरक्षित रखने हेतु अलमारी की व्यवस्था होनी चाहिए । छात्रावास में समान लाने –ले –जाने के लिए वाहन की व्यवस्था करनी चाहिए , छात्रावास में बच्चों को संभालने हेतु एक छात्रावास अधीक्षक पदस्थ है, इसके अतिरिक्त एक सहायक अधीक्षक की नियुक्ति किया जाना चाहिए ।

मूल्यांकित आश्रम शाला में विद्यार्थियों के अनुसार छात्रावास में जो सुविधा उपलब्ध है, जैसे पाठ्य पुस्तक, गणवेश, छात्रवृति/शिष्यवृति, दैनिक भोजन, मध्यान भोजन, विशेष भोजन सुविधा बहुत अच्छी है तथा सभी आश्रम शाला में 78.34 प्रतिशत ने सभी विषयों का नियमित अध्यापन होना बताया है। आश्रम शाला में कोचिंग व्यवस्था के अन्तर्गत 60.83 प्रतिशत छात्र/छात्राओं ने कोचिंग व्यवस्था संतोषप्रद तथा 39.37 प्रतिशत ने इसे अच्छा बताया है ।

आश्रम शाला में विद्यार्थियों के शारीरिक विकास के रूप में खेल मैदान एवं खेल सुविधाएँ आश्रम से मुहैया कराया जाता है जिसके अन्तर्गत 8 आश्रम शाला में से 44.16

Scanned with CamScanner

प्रतिशत छात्र/छात्राओं ने खेल कूद सुविधाएँ अच्छा तथा 55.84 प्रतिशत ने संतोष जनक बताया है ।

सभी आश्रम शाला के विद्यार्थियों के अनुसार 21.66 प्रतिशत छात्र/छात्राओं ने छात्रावासों में ओढ़ने बिछाने की सामग्री को संतोषजनक तथा 78.34 प्रतिशत छात्र/छात्रओं ने इसे अच्छा बताया है ।

सभी छात्रावासों के विद्यार्थियों ने प्रसाधन सुविधा अन्तर्गत स्नानागार एवं शौचालयों की स्थिति अच्छी नही है 45.00 प्रतिशत छात्र/छात्राओं ने स्नानागार व्यवस्था को संतोषजनक तथा 55.00 प्रतिशत ने अच्छा बताया है। उसी प्रकार 41.66 प्रतिशत विद्यार्थियों ने शौचालय व्यवस्था को संतोषप्रद तथा 58.34 प्रतिशत ने अच्छा बताया है। एवं 41.67 प्रतिशत छात्र/छात्राओं ने मूत्रालय व्यवस्था को संतोषप्रद तथा 58.33 प्रतिशत ने अच्छा बताया है।

सर्वेक्षित आश्रम शाला के विद्यार्थियों में शिक्षक –छात्रों के पारस्परिक संबंध में 94.17 प्रतिशत विद्यार्थियों ने छात्र–शिक्षक संबंधों को अच्छा तथा 5.83 प्रतिशत ने संतोषप्रद बताया है तथा 67.67 प्रतिशत छात्र/छात्राओं ने छात्रावास अधीक्षक एवं छात्रों के संबंध अच्छा होना तथा 3.44 प्रतिशत ने संतोषप्रद संबंध होना बताया है ।

निर्माणधीन आश्रम शालाओं को शीघ्र पूर्ण किया जाये रिक्त पद भरे जाये सामग्रियों की कमी भी शीघ्र पूरी की जाये तभी आश्रम–शालाएं वास्तव में आदर्श आश्रम–शालाएँ निरूपित होंगी आश्रम के छात्र–छात्राओं ने बेहतर परीक्षा परिणाम दिये है। प्रशासन को भी बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने तीव्रता से कार्यवाही करना चाहिए ।

संचालक
अदिमजाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान
रायपुर (छ.ग.)

Scanned with CamScanner